■ चैत्र कृष्ण - 15 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 241 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 29-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया गौरवान्वित

6 भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

7 किसी घुसपैठिए के लिए भारत 'खाला' का घर नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

फर्स्ट टेक

किसानों को डीएपी की बोरी 1350 रुपए में मिलेगी

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार ने डीएपी की कीमत 1350 रुपए प्रति बोरी तय की है ताकि किसानों को अधिक कीमत नहीं देनी पड़े इसके लिए भारी सब्सिडी किसानों को दी जा रही है। चौहान ने यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा फॉस्फेटिक और पोटासिक (पीएंडके) उर्वरकों पर खरीफ सीजन, 2025 के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरें तय करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस साल भी लगभग एक लाख 75 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने दी है। यह रबी सीजन 2024-25 के लिए बजटीय आवश्यकता से लगभग 13,000 करोड़ रुपए अधिक है।

वायु सेना और सेना को मिलेंगे 156 प्रचंड हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना और सेना के लिए 156 हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर प्रचंड की खरीद के लिए हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड एचएएल के साथ 62,700 करोड़ रुपए के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। कुल 156 हेलीकॉप्टर में से 66 हेलिकाप्टर भारतीय वायु सेना को और 90 की भारतीय सेना को आपूर्ति की जाएंगी। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि अनुबंध में प्रशिक्षण और अन्य संबद्ध उपकरण भी शामिल है।

कठुआ मुठभेड़ के दूसरे दिन तीन पुलिसकर्मियों के शव बरामद

जम्मू/भाषा। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में शहीद हुए जम्मू-कश्मीर के चार पुलिसकर्मियों में से तीन के शव शुक्रवार को बरामद कर लिए गए जबकि जम्मू के कठुआ के सुदूर वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी दूसरे दिन भी जारी है। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हालांकि, मृतक कर्मियों के सर्विस हथियार अब भी लापता हैं। राजबाग के घाटी जूथाना क्षेत्र में जखोले गांव के निकट केन्द्रित यह अभियान हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार से हाल ही में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ पुलिस अभियान के बाद बृहस्पतिवार सुबह शुरू हुआ। मुठभेड़ में चार पुलिसकर्मी शहीद हो गये जबकि जैश के तीन आतंकवादी ढेर हो गए। मुठभेड़ में एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) समेत सात अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह ड्रोन की मदद से खोजी दलों को चौथे पुलिस कर्मी के शव का पता चला।

28-03-2025 सूर्यास्त 6:31 बजे | 29-03-2025 सूर्योदय 6:17 बजे

BSE	NSE
77,414.92	23,519.35
(-191.51)	(-72.60)

सोना	चांदी
9,244 रु.	100,300 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्मनिर्भर बनें

सुदृढ़ हो सारा अर्थतंत्र,
अपनी क्षमताओं को तोले।
अपने पुरुषार्थ पसीने से,
रुजगार बढ़े हौले-हौले।
भारत सक्षम होवे समर्थ,
भारतवासी निज पर खोले।
हम रहें परस्पर मिल कर के,
ना वैमनस्य हरगिज़ घोले।।

'संसद के मौजूदा सत्र में पेश किया जाएगा वक्फ विधेयक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विपक्ष मुसलमानों को गुमराह कर रहा है। मुसलमानों के किसी भी अधिकार पर अंकुश नहीं लगाया जाएगा। वे सिर्फ झूठ पर झूठ बोल रहे हैं।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद के मौजूदा सत्र में फिर से पेश किया जाएगा। इस विधेयक को अगस्त 2024 में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया था।

मौजूदा बजट सत्र के चार अप्रैल को समाप्त होने में केवल चार कार्य दिवस शेष रह गये हैं।

शाह ने 'टाइम्स नाउ समिट 2025' में कहा, ''हम इसी सत्र में संसद में वक्फ विधेयक पेश करेंगे।'' उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून से किसी को डरना नहीं चाहिए क्योंकि नरेन्द्र मोदी सरकार संविधान के दायरे में वक्फ अधिनियम में संशोधन कर रही है। उन्होंने कहा, ''विपक्ष मुसलमानों को गुमराह कर रहा है। मुसलमानों के किसी भी अधिकार पर अंकुश नहीं लगाया जाएगा। वे सिर्फ झूठ पर झूठ बोल रहे हैं।''

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार को मौजूदा कानून में संशोधन विधेयक लाना पड़ा क्योंकि मूल कानून तुष्टीकरण की राजनीति के कारण बनाया गया था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने वक्फ अधिनियम में ऐसे नियम बनाए जो संविधान की भावना के अनुरूप नहीं थे।

उन्होंने कहा, हमने वक्फ विधेयक को संविधान के दायरे में रखा है, जबकि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए कानून को तोड़-मरोड़ कर पेश किया था।''

शाह ने कहा कि वक्फ बोर्ड ने दिल्ली में 123 प्रमुख स्थानों को वक्फ संपत्ति घोषित किया है और प्रयागराज में ऐतिहासिक चंद्रशेखर आजाद पार्क को भी वक्फ संपत्ति घोषित किया गया है।

जबतक तमिलनाडु की बागडोर मुख्यमंत्री स्टालिन के हाथों में है,

कोई हिंदी नहीं थोप सकता : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मुख्यमंत्री ने (14 मार्च को प्रस्तुत) राज्य के बजट में रुपए के प्रतीक चिह्न को बदल दिया, जिससे उन लोगों को निराशा हुई जो त्रि-भाषा नीति थोपना चाहते थे।

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि जब तक मुख्यमंत्री एम के स्टालिन सत्ता में हैं, तब तक राज्य पर हिंदी नहीं थोपी जा सकती।

मुख्यमंत्री द्वारा द्वि-भाषा नीति का बचाव किये जाने की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने (14 मार्च को प्रस्तुत) राज्य के बजट में रुपए के प्रतीक चिह्न को बदल दिया, जिससे उन लोगों को निराशा हुई जो त्रि-भाषा नीति थोपना चाहते थे।

स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने विधानसभा में कहा, ''फासीवादी हमें दबाने के लिए चाहे कितने भी नियम लागू कर दें, हिंदी या कोई भी दूसरी नीति हम पर तब तक नहीं थोपी जा सकती जब तक हमारा नेता सत्ता में है।''

दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला

भोजन बिल पर सेवा शुल्क स्वैच्छिक है, रेस्तरां इसे अनिवार्य नहीं बना सकते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भोजन के बिल पर सेवा शुल्क की अनिवार्य वसूली उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन और कानून के विपरीत है।

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि भोजन के बिल पर ग्राहकों द्वारा सेवा शुल्क का भुगतान किया जाना स्वैच्छिक है और इसे रेस्तरां अनिवार्य नहीं बना सकते।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने यह फैसला सुनाया और केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के उन दिशा-निर्देशों को चुनौती देने वाली रेस्तरां निकायों की दो याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें होटल एवं रेस्तरां पर भोजन बिल पर अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क वसूलने को लेकर रोक लगाई गई है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि भोजन के बिल पर सेवा शुल्क की अनिवार्य वसूली उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन और कानून के विपरीत है, लेकिन उपभोक्ताओं को स्वेच्छा से टिप देने से रोका नहीं गया है, यदि वे ऐसा करना चाहते हों तो।

उच्च न्यायालय ने कहा कि भोजन बिल पर अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क लेना 'भ्रामक' और 'धोखाधड़ी' है, क्योंकि इससे उपभोक्ताओं को यह आभास होता है कि यह सेवा कर या जीएसटी के रूप में लगाया जा रहा है।

न्यायमूर्ति सिंह ने इसे अनुचित व्यापार पद्धति करार दिया और कहा कि इसे अनिवार्य रूप से बिल में नहीं जोड़ा जा सकता।

'फेडरेशन ऑफ होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई)' और 'नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई)' ने 2022 में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर करके उच्च न्यायालय का रुख किया था।

आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स को उसके गढ चेपॉक पर हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। कप्तान रजत पाटीदार के अर्धशतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 17 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स को उसके गढ चेपॉक पर आईपीएल के मैच में मात देते हुए शुक्रवार को 50 रन से जीत दर्ज की ।

आरसीबी के सात विकेट पर 196 रन के जवाब में पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी । आरसीबी की 2008 में आईपीएल के पहले सत्र के बाद चेपॉक पर चेन्नई के खिलाफ यह पहली जीत है।

पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर मजबूत स्कोर बनाने के बाद आरसीबी ने मेजबान टीम के शुरूआती विकेट जल्दी चटकाकर दबाव बनाया जो अंत तक कायम रहा । चेन्नई के बल्लेबाज अपनी गलतियों से विकेट गंवाते चले गए जबकि क्षेत्ररक्षण में भी मेजबान टीम ने निराश किया ।

चेन्नई की शुरूआत काफी खराब रही और कप्तान रूतुराज गायकवाड़ खाता भी नहीं खोल सके । चेन्नई ने पहले दो ओवर में ही तीन विकेट गंवा दिये । दूसरे ओवर में राहुल त्रिपाठी (पांच) ने जोश हेजलवुड को पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट मिडविकेट पर कैच थमाया । हेजलवुड ने 21 रन देकर तीन विकेट लिये । दीपक हुड्डा ने भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर विकेट के पीछे कैच थमाया । उस समय चेन्नई का स्कोर तीन विकेट पर आठ रन था ।

गठबंधन पर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उचित फैसला लेगा : अन्नामलाई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को हटाने के लिए राज्य विधानसभा चुनाव में गठबंधन पर फैसला पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले, भाजपा के साथ ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के फिर से गठबंधन की अटकलें लगाई जा रही हैं। अन्नाद्रमुक के महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ई के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यहां उनके आवास पर मुलाकात की थी।

इजराइल ने फिर किया बेरूत पर हमला

बेरूत/एपी। इजराइल-हिजबुल्ला के बीच नवंबर में हुए युद्ध विराम के बाद इजराइल ने शुक्रवार को लेबनान की राजधानी बेरूत पर पहली बार हमला किया। बेरूत में बड़ा धमाका सुना गया और उस क्षेत्र से धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया, जहां इजराइल की सेना ने हमला किया। यह हमला पिछले साल 27 नवंबर 2024 को इजराइल और हिजबुल्ला उग्रवादी समूह के बीच युद्ध विराम होने के बाद बेरूत पर पहला हमला था, हालांकि इजराइल ने तब से लगभग रोजाना दक्षिणी लेबनान को निशाना बनाया। इजराइली सेना ने कहा कि उसने दहियाह के इलाके में हिज़्बुल्ला के 'ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटी' पर हमला किया, जिसे उसने हिज़्बुल्ला का एक अहम गढ़ बताया। इजराइल ने कहा कि हिज़्बुल्ला नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करता है और उसने लोगों को वहां से चले जाने की पहले ही चेतावनी जारी कर दी थी।

नेपाल में राजशाही की मांग हुई तेज

राजशाही समर्थकों की पुलिस से झड़प में दो लोगों की मौत, पूर्वी काठमांडू में सेना बुलाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ हजारों राजतंत्रवादियों ने नेपाल में राजतंत्र की बहाली की मांग करते हुए राजा आओ देश बचाओ, भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद और हमें राजतंत्र वापस चाहिए जैसे नारे लगाए।

■ प्रधानमंत्री के. पी. ओली ने देश में व्याप्त अशांति पर चर्चा करने के लिए एक आपातकालीन कैबिनेट बैठक बुलाई। गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रदर्शनकारी अपनी स्वतंत्रता का नाजायज फायदा उठा रहे हैं।

काठमांडू/भाषा। नेपाल में राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों द्वारा राजनीतिक दल के कार्यालय पर पथराव और हमला किए जाने से दो लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोगों के घायल होने के बाद शुक्रवार को सेना को बुलाया गया और काठमांडू के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया।

जिला प्रशासन ने पहले शाम 4:25 बजे से रात 10 बजे तक कर्फ्यू लगाया था, बाद में इसे शनिवार सुबह सात बजे तक बढ़ा दिया। कुछ इलाकों में किसी को भी घूमने-फिरने की अनुमति नहीं दी गई। अधिकारियों ने बताया कि झड़प के दौरान गोली लगने से काठमांडू के 29 वर्षीय सबिन महराजन की अस्पताल में मौत हो गई।

तिनकुने क्षेत्र में एक इमारत से विरोध प्रदर्शन का वीडियो शूट करते समय एवेन्यूज टेलीविजन के फोटो पत्रकार सुरेश रजक की मृत्यु हो गई। यह वह स्थान है जहां राजतंत्रवादियों ने सुरक्षा कर्मियों के साथ झड़प की थी और सुरक्षा अवरोधकों को तोड़ने का प्रयास किया था।

एवेन्यूज टीवी के एक सूत्र के अनुसार, आग लगने के तुरंत बाद रजक लापता हो गए थे। बाद में, पुलिस को इमारत की चौथी मंजिल पर बुरी तरह से जला हुआ शव मिला, जिसके बारे में संदेह है कि वह रजक का है।

पुलिस ने बताया कि शव की आधिकारिक पहचान अभी नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से लगभग आधे पुलिसकर्मी थे। झड़प के दौरान, प्रदर्शनकारियों ने एक घर को जला दिया।

थाईलैंड और म्यांमार में शक्तिशाली भूकंप, 150 से अधिक लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ शुक्रवार दोपहर आए भूकंप की तीव्रता 7.7 दर्ज की गई और इसका केन्द्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के निकट था।

बैंकाक/एपी। म्यांमार और पड़ोसी देश थाईलैंड में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप से इमारतें, एक पुल और एक बांध नष्ट हो गया।

म्यांमार में कम से कम 144 लोगों की मौत हुई है। यहां के दो सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों से ली गई तस्वीरों और वीडियो में भारी नुकसान दिख रहा है।

थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत के ढह जाने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई।

शुक्रवार दोपहर आए भूकंप की तीव्रता 7.7 दर्ज की गई और इसका केन्द्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के निकट था। इसके बाद 6.4 तीव्रता का एक और शक्तिशाली झटका महसूस किया गया।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि विश्व निकाय म्यांमार की अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है।

भूकंप से मौतों, हताहतों और विनाश को लेकर पूरी तस्वीर अबतक स्पष्ट नहीं है, खास तौर पर म्यांमार में, जो दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है। यह गृहयुद्ध में उलझा हुआ है और यहां सूचना पर कड़ा नियंत्रण है।

म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख ने शुक्रवार शाम को टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में कहा कि भूकंप संबंधी घटनाओं में कम से कम 144 लोग मारे गए और 730 अन्य घायल हुए।

वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, ''मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है।''

राजधानी नेपीता से प्राप्त तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि भूकंप के कारण सरकारी कर्मचारियों के आवास वाली कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, तथा बचाव दल मलबे से पीड़ितों को निकाल रहे हैं।

म्यांमार की सरकार ने कहा कि सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में खून की बहुत अधिक ज़रूरत है। मांडले में टूटी-फूटी सड़कें और क्षतिग्रस्त राजमार्गों के साथ-साथ पुल और बांध के ढहने की तस्वीरें इस बात को लेकर और भी चिंता पैदा करती हैं कि बचाव दल पहले से ही व्यापक मानवीय संकट से जूझ रहे देश के कुछ इलाकों तक कैसे पहुंच पाएंगे।

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक तस्वीर में दिखाई दे रहा है कि बैंकाक के चतुचक बाजार के पास एक निर्माणाधीन 33 मंजिला इमारत, जिसके ऊपर एक क्रेन रखी हुई थी, धूल के गुबार में तब्दील हो गई।

भूकंप के तुरंत बाद अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। चेतावनी सायरन की आवाज पूरे मध्य बैंकॉक में गूंज उठी।

सीखने से ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है : राज्यपाल गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। छात्रों को न केवल शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए बल्कि अपना ज्ञान भी बढ़ाना चाहिए। हमारे पास जो ज्ञान है उसे कोई नहीं चुरा सकता। अगर हम ज्ञान प्राप्त करेंगे तो सफलता की राह आसान हो जाएगी, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने छात्रों का आह्वान करते हुए कहा। वह शहर के सीएमआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ऑडिटोरियम में आयोजित सीएमआर यूनिवर्सिटी के नौवें दीक्षांत समारोह में भाग लेते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा, जीवन की सफलता में शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान है। शिक्षा जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी है, शिक्षित होने पर ही व्यक्ति का विकास हो सकता है। शिक्षा हमें तकनीकी और उच्च कौशल वाला ज्ञान और विचारों को व्यक्त करने की क्षमता प्रदान करती है। शिक्षा कौशल को बढ़ाती है और कौशल से हम जिस क्षेत्र में रुचि रखते हैं, उसमें बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि हमारी पुरानी शिक्षा प्रणाली बहुत समृद्ध और विशाल थी, इसीलिए हमें विश्वगुरु माना जाता था और हमारी अर्थव्यवस्था इतनी मजबूत थी कि हमारे देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था। इसे पुनः प्राप्त करने के लिए हमें अपने युवाओं के कौशल, प्रतिभा और ऊर्जा का प्रदर्शन करके ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है और इसमें युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, शिक्षित युवा समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। युवा चाहे किसी भी क्षेत्र में जाएं – चाहे वह विज्ञान, तकनीक, व्यवसाय, कला या समाज सेवा हो, देश उनके प्रयासों से ही आगे बढ़ता है। आज का युग नवाचार और प्रतिस्पर्धा का युग है। वर्तमान डिजिटल युग वह है जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा साइंस और उन्नत प्रौद्योगिकियां दुनिया को नए आयाम दे रही हैं। सीखने के साथ-साथ हमें नवाचार और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। एक सफल व्यक्ति वह है जो बदलते समय के साथ तालमेल बिठाता है, नई चीजें सीखता है और नेतृत्व कौशल विकसित करता है।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से देश ने सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है। आज हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पारिस्थितिकी असंतुलन आज विश्व में एक गंभीर समस्या है। पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। जल, जंगल और वायु संरक्षण के लिए और अधिक काम किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, इस विश्वविद्यालय से प्राप्त ज्ञान से आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बनें और एक भारत-श्रेष्ठ भारत तथा स्वावलंबी भारत के निर्माण में भागीदार बनें। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाकर राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें। स्वामी विवेकानंद कहते थे – उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए एक समय में एक ही काम करो और उसे पूरी निष्ठा से करो। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही राष्ट्र के विकास का आधार है। उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भरता, साहस और आत्मविश्वास की प्रेरणा दी। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए।

उन्होंने कहा, शिक्षा जीवन का सबसे बड़ा उपहार है। शिक्षा, रोजगार के साथ-साथ हमें नैतिकता, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी देती है। शिक्षा एक सतत यात्रा है जो व्यक्ति के जीवन में नए विचार, ज्ञान और संभावनाएं भरती है।

बेंगलूरु शहर देश के कई विश्वस्तरीय शैक्षणिक और शोध संस्थानों का घर है। इस कारण से, बेंगलूरु को शिक्षा केंद्र के रूप में भी जाना जाता है। सीएमआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने बैंगलोर को शिक्षा केंद्र बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। यह सराहनीय है कि 2013 में स्थापित सीएमआर विश्वविद्यालय ने कम समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। देवी सरस्वती ज्ञान की देवी हैं। हंस की नाजुक चोंच में भेदभाव की शक्ति होती है और कहा जाता है कि दूध और पानी के मिश्रण में शुद्ध दूध और पानी के बीच अंतर करने की क्षमता होती है।

इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, सीएमआर विश्वविद्यालय निरंतर और सकारात्मक सक्रिय प्रयास करके विकसित भारत के लिए मानव संसाधन को प्रभावी बनाने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है, राज्यपाल ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह प्रसन्नता की बात है कि समाज, जनहित और देशहित में कार्य करने वाले बोनिफेस प्रभु और श्रीकांत को दीक्षांत समारोह में मानद उपाधियों से सम्मानित किया गया। मैं उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई देता हूं। मुझे आशा है कि समाज और देश की प्रगति में उनका महत्वपूर्ण योगदान जारी रहेगा। सीएमआर ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन डॉ. के.सी. राममूर्ति और डॉ. सविता राममूर्ति उपस्थित थे।

केवल कविता पाठ या स्टैंड-अप कॉमेडी से नफरत नहीं फैल सकती: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने के लिए पुलिस की कड़ी निंदा करते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि महज कविता, स्टैंड-अप कॉमेडी और कला या मनोरंजन के किसी भी रूप के प्रदर्शन से समुदायों के बीच दुश्मनी या घृणा पैदा होने का आरोप नहीं लगाया जा सकता।

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ प्राथमिकी को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि कविता, नाटक, फिल्म, स्टैंड-अप कॉमेडी, व्यंग्य और अन्य 'स्टेज शो' सहित साहित्य ने मानव जीवन को अधिक सार्थक बनाया है। पीठ ने कहा, हमारे गणतंत्र के 75 वर्षों के बाद भी हम अपने मूल सिद्धांतों के मामले में इतने कमजोर नहीं दिख सकते कि महज एक कविता या किसी भी प्रकार की कला या मनोरंजन जैसे स्टैंड-अप कॉमेडी के माध्यम से विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी या घृणा पैदा करने का आरोप लगाया जा सके। अदालत ने आगे कहा, ऐसे दृष्टिकोण को अपनाने से सार्वजनिक क्षेत्र में सभी वैध विचारों की अभिव्यक्ति बाधित होगी, जो स्वतंत्र समाज के लिए बहुत ही मूलभूत चीज है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला दिखाता है कि हमारे संविधान के अस्तित्व में आने के 75 साल बाद भी राज्य की कानून प्रवर्तन प्रणाली इस महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार के बारे में या तो अनभिज्ञ है या इसकी परवाह नहीं करती। कांग्रेस नेता ने गुजरात उच्च न्यायालय के 17 जनवरी के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की उनकी याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया था कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है। प्रतापगढ़ी पर तीन जनवरी को जामनगर में आयोजित एक सामूहिक विवाह समारोह के दौरान कथित भड़काऊ गीत गाने के लिए मामला दर्ज किया गया था।

फॉस्फेट, पोटाश उर्वरकों पर 37,216 करोड़ रुपए की सब्सिडी को मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को इस साल खरीफ (ग्रीष्मकालीन) सत्र के लिए फॉस्फेट एवं पोटाश (पीएंडके) आधारित उर्वरकों पर 37,216 करोड़ रुपए की सब्सिडी देने को मंजूरी दी। सरकार की तरफ से दी जाने वाली यह सब्सिडी उचित दर पर मृदा को पोषक तत्व उपलब्ध कराने के प्रयासों का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यहां संवाददाताओं से कहा कि फॉस्फेट एवं पोटाश (पीएंडके) आधारित उर्वरकों पर खरीफ सत्र 2025 (एक अप्रैल 2025 से 30 सितंबर 2025 तक) के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरें तय करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

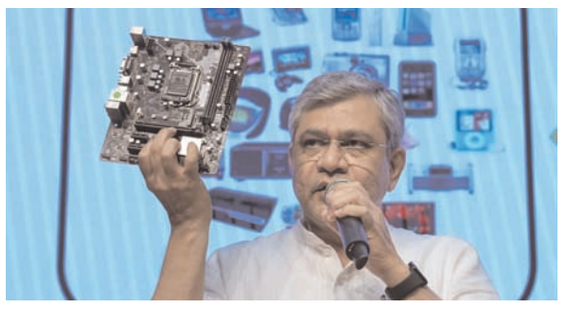

उन्होंने कहा कि इस कदम से सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) की खुदरा कीमतें वर्तमान स्तर पर बनी रहें। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल के इस निर्णय से किसानों को रियायती, किफायती और उचित मूल्य पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, उर्वरकों और कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हाल के रुझान को देखते हुए पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाया गया है। एनपीकेएस ग्रेड सहित पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी खरीफ सत्र 2025 के लिए अनुमोदित दरों के आधार पर दी जाएगी। उर्वरक कंपनियों को अनुमोदित एवं अधिसूचित दरों के अनुरूप सब्सिडी प्रदान की जाएगी ताकि किसानों को किफायती कीमतों पर पोषक तत्व उपलब्ध कराए जा सकें। केंद्र सरकार पोषक तत्वों के निर्माताओं/ आयातकों के जरिये किसानों को सब्सिडी वाले मूल्यों पर 28 ग्रेड के पीएंडके उर्वरक उपलब्ध करा रही है। अप्रैल 2010 से पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी की व्यवस्था एनबीएस योजना के तहत संचालित होती है।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों, पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता दो प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी। यह निर्णय इस साल एक जनवरी से लागू होगा। इससे करीब 1.15 करोड़ केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक जनवरी 2025 से केंद्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत (डीआर) की एक अतिरिक्त किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। दो प्रतिशत वृद्धि के साथ महंगाई भत्ता मूल वेतन/पेंशन के मौजूदा 53% से 55% हो गया है। इसका मकसद महंगाई से कर्मचारियों को राहत देना है। डीए और डीआर दोनों में वृद्धि से सरकारी खजाने पर सालाना 6,614.04 करोड़ रुपए का असर होगा। इस कदम से केंद्र सरकार के करीब 48.66 लाख कर्मचारियों और 66.55 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। यह वृद्धि स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार है, जो सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। डीए तथा डीआर का भुगतान जीवन-यापन की लागत को समायोजित करने और कर्मचारियों व पेंशनभोगियों को महंगाई से राहत देने के लिए किया जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा क्षेत्र के लिए 23 हजार करोड़ रुपए की पीएलआई योजना मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 22,919 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ गैर-सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दे दी।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। वैष्णव ने कहा कि इस योजना से 91,600 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे जबकि लगभग 59,350 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित होने का अनुमान है। सरकार की यह पहली योजना है जो निष्क्रिय इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। निष्क्रिय यानी गैर-सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक कल-पुर्जे बिजली को नियंत्रित करने के लिए जरूरी उपकरण होते हैं लेकिन वे खुद बिजली का उत्पादन या उसमें बढ़ोतरी नहीं करते हैं। वैष्णव ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स घटक पीएलआई योजना के तहत निष्क्रिय घटकों को मंजूरी दी गई है। इसका कुल पैकेज 22,919 करोड़ रुपए का है। यह छह साल में पूरा होगा। यह खंड दूरसंचार, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन, चिकित्सा उपकरण, बिजली क्षेत्र जैसे कई क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेगा। मंत्री ने कहा कि इस योजना से 4.56 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन होने की उम्मीद है।

'कुंभ में रेलगाड़ियों के शीशे तोड़ने की 23 घटनाओं में रेलवे को 3.3 लाख का नुकसान'

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सवारी डिब्बों के दरवाजे व खिड़कियों के शीशे तोड़ने की 23 घटनाएं हुईं और इनमें रेलवे को 3.3 लाख रुपए का नुकसान हुआ।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक लिखित सवाल के उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि इन घटनाओं में रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से की गई कानूनी कार्रवाई में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम की सदस्य एम वी एम सोमू ने रेल मंत्री से कुंभ मेले के दौरान रेलवे संपत्ति को हुए नुकसान का ब्योरा मांगा था।

वैष्णव ने इसके जवाब में कहा, ''कुंभ मेला के दौरान विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सवारी डिब्बों के दरवाजे या खिड़कियों के शीशे तोड़ने की 23 घटनाओं की सूचना प्राप्त हुई है।'' उन्होंने कहा, ''इन घटनाओं में रेलवे को लगभग 3.3 लाख रुपए का नुकसान हुआ। सभी घटनाओं में रेल सुरक्षा बल द्वारा कानूनी कार्रवाई की गई, जिनमें 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया।''

दिल्ली की भाजपा सरकार गो संरक्षण एवं सुरक्षा के लिये कानून बनायेगी : सूद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की भाजपा सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह शहर में आवारा गायों की रक्षा एवं उनके संरक्षण के लिये एक कानून बनाएगी। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने विधानसभा में आवारा गायों एवं अन्य जानवरों के मुद्दे पर चर्चा के दौरान यह घोषणा की।

सूद ने कहा, '' हम उचित विचार-विमर्श के बाद गो संरक्षण और सुरक्षा के लिए एक कानून लाएंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सरकार के विभिन्न विभागों के बीच कोई गलतफहमी न हो और हम कानून के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं का अध्ययन करेंगे।''

''सौगात-ए-मोदी'' को लेकर दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधा

इंदौर (मध्यप्रदेश)/ भाषा। भाजपा की ''सौगात-ए-मोदी'' पहल को लेकर सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मुसलमानों को तोहफे दिए जाना अच्छी बात है, लेकिन उनके घर नहीं तोड़े जाने चाहिए और सांप्रदायिक सद्भाव का माहौल तैयार किया जाना चाहिए।

सिंह ने इंदौर में ''सौगात-ए-मोदी'' के बारे में प्रतिक्रिया मांगे जाने पर कहा,''अच्छा है कि वे (भाजपा) मुस्लिमों को सौगातें दें, लेकिन कम से कम उनके घर तो न तोड़ें और उनके घरों को बर्बाद तो न करें।'' जो लोग मुसलमानों को तोहफे बांट रहे हैं, वे उन्हें कम से कम इतना ही तोहफा दे दें कि उनके खिलाफ अनर्गल बातें न करें। वे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव का माहौल तैयार करें और मंदिर-मस्जिद की लड़ाई न करें।'' उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सरकारी आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद न्यायिक जवाबदेही की बहस तेज होने के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, '' यह जवाबदेही तो होनी ही चाहिए। अगर किसी और व्यक्ति के घर में इतनी नकदी मिली होती, तो अब तक वह व्यक्ति जेल में होता।''

वन्य जीव कानून में संशोधन का कोई प्रस्ताव नहीं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने संसद को सूचित किया है कि वर्तमान में वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में संशोधन करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

माकपा सदस्य वी शिवदासन के एक सवाल के लिखित जवाब में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। मंत्री सिंह ने कहा,'' मानव-वन्यजीव संघर्षों के प्रबंधन सहित वन्यजीवों का संरक्षण मुख्य रूप से संबंधित राज्य व केंद्रशासित प्रदेश सरकारों की जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा कि कानून की धारा 11 (1) (क) राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को अनुसूची एक में आने वाले उन जानवरों के शिकार के लिए परमिट देने का अधिकार देती है, जो मानव जीवन के लिए खतरा बन जाते हैं। इसके अलावा, अधिनियम की धारा 11 (1) (ख) राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन या किसी भी प्राधिकृत अधिकारी को अनुसूची-दो के अंतर्गत आने वाले ऐसे जंगली जानवरों के शिकार के लिए परमिट देने का अधिकार देती है, जो जानवर मानव जीवन या संपति के लिए खतरा बन गए हैं।

माकपा सदस्य ने सवाल किया था कि क्या केंद्र सरकार जंगली जानवरों के हमलों से निपटने में राज्यों को अधिक स्वायत्तता देने के लिए अधिनियम में संशोधन करने का इरादा रखती है? इसके जवाब में मंत्री ने कहा, ''वर्तमान में वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में संशोधन करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।''

हवाई अड्डों पर निशुल्क पेयजल के लिए वाटर कूलर की व्यवस्था की जाए : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से कहा कि वह हवाई अड्डों पर वाटर कूलर की व्यवस्था करें, ताकि यात्रियों को निशुल्क पेयजल उपलब्ध हो सके।

सदन में गैर-सरकारी कामकाज के तहत कांग्रेस सांसद शफी परम्बिल के 'देश में हवाई यात्रा किराये के विनियमन के लिए उचित उपाय' संबंधी निजी संकल्प पर चर्चा के दौरान बिरला ने यह टिप्पणी की।

चर्चा के दौरान, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सांसद चंद्रशेखर ने हवाई अड्डों पर पानी की बोतल अत्यधिक कीमतों पर उपलब्ध होने का उल्लेख किया।

इस पर बिरला ने कहा, ''मंत्री जी, वाटर कूलर लगवा दो ताकि निशुल्क पानी मिले। जरूरी नहीं है कि सभी लोग बोतल का ही पानी पियें।'' नायडू ने कहा कि कुछ हवाई अड्डों पर 'उड़ान यात्री' सुविधा शुरू की गई है जिसके तहत 10 रुपए में पानी की बोतल उपलब्ध कराई जा रही है।

लुटियन्स दिल्ली में मुगलों के नाम वाले साइनबोर्ड विरूपित

नई दिल्ली/भाषा। लुटियन्स दिल्ली में एक बौद्ध संगठन के सदस्यों ने शुक्रवार को मुगल और दिल्ली सल्तनत के शासकों के नाम पर सड़क के किनारे लगे साइनबोर्ड कथित तौर पर विरूपित कर दिये।

भारतीय बौद्ध संघ के सदस्यों ने नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले साइनबोर्डों पर काले रंग का पेंट कर दिया। साइनबोर्ड में शाहजहां रोड पर 'वीर सावरकर मार्ग', तुगलक लेन पर 'अहिल्या बाई मार्ग', अकबर रोड पर 'महर्षि वाल्मीकि मार्ग', और हुमायूं रोड पर 'बालासाहेब ठाकरे मार्ग' लिख दिया गया।

एनडीएमसी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी। भारतीय बौद्ध संघ के अध्यक्ष संघप्रिय राहुल ने 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत के दौरान कहा, हम प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से सार्वजनिक स्थानों से मुगल नामों को हटाने का आग्रह करते हैं, क्योंकि वे अत्याचारों के इतिहास का प्रतीक हैं। हमें ऐसे नामों की आवश्यकता नहीं है।

अमेरिकी जवाबी शुल्क का भारत पर कोई खास असर नहीं, उत्पन्न होंगे अवसर : नीति आयोग अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक पी साहू ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका की जवाबी शुल्क लगाने की योजना का भारत पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे देश के लिए कई अवसर उत्पन्न हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेक्सिको, चीन और कनाडा जिनकी अमेरिका के कुल आयात में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है उनकी तुलना में भारत की स्थिति बेहतर है।

नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक ने कहा, '' हम आंकड़ों पर अलग-अलग स्तर पर गौर कर रहे हैं... ये प्रारंभिक परिणाम हैं लेकिन मैं आपको केवल यह बता सकता हूं कि हम नुकसान में नहीं रहेंगे। यह जवाबी शुल्क कुछ विशिष्ट क्षेत्रों को छोड़कर किसी को प्रभावित नहीं करेगा और वास्तव में इसमें लाभ उठाने के कई अवसर हैं।''

साहू ने नीति आयोग की तिमाही व्यापार निगरानी के दूसरे संस्करण के पेश किए जाने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि जवाबी शुल्क योजना के भारत पर प्रभाव का विस्तृत विश्लेषण रिपोर्ट के अगले संस्करण में पेश किया जाएगा। अमेरिकी बाजार में तीन मुख्य प्रतिस्पर्धी देश कनाडा, मेक्सिको और चीन हैं। अमेरिका के 3,100 अरब डॉलर के कुल आयात में इनकी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इन देशों को 20-25 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, '' इसलिए, यदि हम अपनी स्थिति की तुलना करें....अमेरिकी बाजार में अपने प्रतिस्पर्धियों पर इन शुल्क के लागू होने के बाद की स्थिति की तुलना करें तो हम बहुत बेहतर स्थिति में हैं। अमेरिका ने 12 मार्च से इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया है। उसने पूर्णतः निर्मित वाहनों (सीबीयू) और उसके कल-पुर्जों पर भी 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है, जो तीन अप्रैल से प्रभावी होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर अप्रैल से जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है।

त्योहारों के दौरान विमान किराये में बेतहाशा वृद्धि पर काबू के लिए सरकार कदम उठाये : वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में शुक्रवार को कांग्रेस सदस्य के. सी. वेणुगोपाल ने त्योहारों के दौरान विमान किराये में बेतहाशा वृद्धि होने का मुद्दा उठाया और इस पर नियंत्रण के लिए सरकार से कदम उठाने की मांग की।

वेणुगोपाल ने कहा, ''उड़ानों के परिचालन पर हर तरह के शुल्क आम आदमी से वसूल किये जा रहे हैं लेकिन इसे कौन घटायेगा। एटीएफ (विमान ईंधन) पर शुल्क कौन घटाएगा? क्या यह आम आदमी की जिम्मेदारी है।'' वह सदन में गैर-सरकारी कामकाज के तहत कांग्रेस सदस्य शफी परम्बिल के 'देश में हवाई यात्रा किराये के विनियमन के लिए उचित उपाय' संबंधी निजी संकल्प पर हुई चर्चा में भाग ले रहे थे उन्होंने कहा, ''मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि सरकार को इस बारे में सोचना होगा कि हम किराये में, विशेष रूप से त्योहारों के दौरान या आपात स्थिति

में यात्रा के लिए इस तरह की अत्यधिक वृद्धि को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं।'' कांग्रेस सांसद ने कहा, ''मैं समझ सकता हूं कि विमान किराये का नियमन मुश्किल काम है। लेकिन त्योहारों के समय में विमान किराये में इस तरह की अत्यधिक वृद्धि की स्थिति में सरकार पूरी तरह से असहाय नजर आती है। यह कैसे चलेगा? यह सदन, माननीय मंत्री से इस बारे में जानना चाहता है।'' उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के पास शक्ति है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसके पास शुल्क नियमन की शक्ति है, बल्कि उसे निगरानी करने की शक्ति प्राप्त है। वेणुगोपाल ने सवाल किया, ''क्या ऐसा एक भी दृष्टांत है, जिसमें आपने सुव्यस्थित प्रणाली का उल्लंघन करने वाली एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई की हो? डीजीसीए के पास सीमित शक्तियां हैं, लेकिन क्या उन सीमित शक्तियों के दायरे में वे कार्रवाई कर सकते हैं कि नहीं, मैं यह जानना चाहता हूं।'' उन्होंने विभिन्न हवाई अड्डों से परिचालित विमानों के किरायों में अत्यधिक विसंगितयां होने का उल्लेख करते हुए कहा कि कोच्चि से सउदी अरब के जेद्दा तक के लिए विमान किराया 60,000 रुपए है।

फा.सं.17(20)/2021-पीएल/एनजीटी
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
नीति एवं विधि प्रभाग
एनजीटी प्रकोष्ठ

तृतीय तल, जल विंग,
इंदिरा पर्यावरण भवन,
जोर बाग रोड, नई दिल्ली-03

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में न्यायिक सदस्य की दो (02) और विशेषज्ञ सदस्य की दो (02) संभावित रिक्तियों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

योग्यताएं, पद की शर्तें, आयु सीमा, सेवा संबंधी शर्तें आदि मंत्रालय की वेबसाइट www.moef.gov.in पर उपलब्ध हैं। आवेदन पत्र सहित विज्ञापन का विवरण वेबसाइट (https://parivesh.nic.in/newupgrade/#/legal-login) पर उपलब्ध है।

मंत्रालय में आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि प्रकाशन की तिथि से चार सप्ताह अर्थात दिनांक 25/04/2025 (23:59 बजे (मध्यरात्रि)) तक है। सभी आवेदन संलग्नकों सहित ऑनलाइन प्रस्तुत किए जाने हैं (https://parivesh.nic.in/newupgrade/#/legal-login)। मंत्रालय आवेदन प्रस्तुत करने के किसी अन्य माध्यम पर विचार नहीं करेगा और न ही नियत दिनांक और समय के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर कोई कार्रवाई करेगा।

CBC 13101/11/0025/2425

इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक | India Post Payments Bank
(भारत सरकार का उपक्रम)
कॉर्पोरेट कार्यालय, स्पीड पोस्ट सेंटर बिल्डिंग, भाई वीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001

अनुबंध के आधार पर मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ), मुख्य अनुपालन अधिकारी (सीसीओ) और आंतरिक लोकपाल की भर्तीरिक्तियों की भर्ती

विज्ञापन सं. : IPPB/CO/HR/RECT/2024-25/07

निम्नलिखित पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं

बैकलॉग आरक्षित रिक्तियों सहित संविदागत रिक्तियों की संख्या का विवरण (अनंतिम):

विभाग	पद/पदनाम	रिक्तियों की सं.	आरक्षित रिक्तियां				
			अनारक्षित	अ.पि.व.	ईडब्ल्यू एस	अनु. ज	अनु. जन. ज
अनुपालन	मुख्य अनुपालन अधिकारी	1	-	1	-	-	-
प्रचालन	मुख्य प्रचालन अधिकारी	1	-	-	-	1	-
आंतरिक लोकपाल	आंतरिक लोकपाल	1	1	-	-	-	-

भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार दिव्यांग व्यक्तियों (न्यूनतम 40% दिव्यांगता) के लिए क्षैतिज आरक्षण लागू है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

(i) आवेदन की ऑनलाइन पंजीकरण प्रारंभ होने की तिथि	29.03.2025 को प्रातः 10.00 बजे से
(ii) शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	18.04.2025 को रात 11.59 बजे तक

विस्तृत विज्ञापन के लिए कृपया हमारी आधिकारिक वेबसाइट https://ippbonline.com/web/ippb/current-openings पर विजिट करें।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.03.2025

ह./-
मुख्य मानव संसाधन अधिकारी

CBC 06346/12/0020/2425

सार्वजनिक नोटिस

न्यायमूर्ति बालाकृष्णन जांच आयोग

जबकि कुछ ऐसे व्यक्तियों के समूह, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से सामाजिक असमानता, अस्पृश्यता, भेदभाव और उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न पिछड़ेपन को झेला है, को भारत के संविधान के अनुच्छेद 341 के अंतर्गत समय-समय पर जारी राष्ट्रपति के आदेशों द्वारा अनुसूचित जाति घोषित किया गया है;

और जबकि, कुछ समूहों ने राष्ट्रपति के आदेशों के माध्यम से अनुमत धर्मों से परे अन्य धर्मों से संबंधित नए व्यक्तियों को अनुसूचित जातियों का दर्जा देकर अनुसूचित जातियों की मौजूदा परिभाषा पर पुनर्विचार करने का प्रश्न उठाया है, और इसके विपरीत, कई अन्य समूहों ने भी इसका विरोध किया है;

और चूंकि, विद्यमान अनुसूचित जातियों के कुछ प्रतिनिधियों ने नए व्यक्तियों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिए जाने पर आपत्ति की है; और चूंकि, यह एक मौलिक तथा ऐतिहासिक दृष्टि से जटिल समाजशास्त्रीय और संवैधानिक प्रश्न है, तथा सार्वजनिक महत्त्व का एक निश्चित मामला है;

और चूंकि, इसके महत्त्व, संवेदनशीलता और संभावित प्रभाव को देखते हुए, इस संबंध में परिभाषा में कोई भी परिवर्तन विस्तृत और निश्चित अध्ययन तथा सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के आधार पर होना चाहिए और जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) के तहत किसी आयोग ने अब तक इस मामले की जांच नहीं की है।

उपर्युक्त के मद्देनजर, भारत सरकार ने राजपत्र अधिसूचना संख्या एस.ओ. 4742(ई) दिनांक 06.10.2022 के तहत, जैसा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित किया गया है (https://socialjustice.gov.in पर उपलब्ध है) ने जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 के तहत एक जांच आयोग नियुक्त किया है, जिसमें निम्नलिखित प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं, अर्थात:

I. अध्यक्ष – न्यायमूर्ति के.जी. बालाकृष्णन, (भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश)

II. सदस्य – श्री रवींद्र कुमार जैन, आईएएस (सेवानिवृत्त) (एचपी-1981)

III. सदस्य – प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव, (पूर्व सदस्य, यूजीसी)

इसके बाद इसे **'न्यायमूर्ति बालाकृष्णन जांच आयोग'** या **'आयोग'** कहा जाएगा। इसका कार्यकाल राजपत्र अधिसूचना संख्या एस.ओ. 4780(ई) दिनांक 30.10.2024 के तहत बढ़ा दिया गया है।

2. आयोग के विचारार्थ विषय:

I. नए व्यक्तियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने के मामले की जांच करना, जो यह दावा करते हैं कि वे ऐतिहासिक रूप से अनुसूचित जाति के थे, लेकिन उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत समय-समय पर जारी राष्ट्रपति के आदेशों में उल्लिखित धर्म के अलावा अन्य धर्म अपना लिया है;

ii. अनुसूचित जातियों की विद्यमान सूची के भाग के रूप में ऐसे नए व्यक्तियों को जोड़ने से विद्यमान अनुसूचित जातियों पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच करना;

iii. अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के रीति-रिवाजों, परंपराओं, सामाजिक और अन्य स्थितिगत भेदभाव और वंचना के संदर्भ में अन्य धर्मों को अपनाने पर आने वाले परिवर्तनों की जांच करना, तथा उन्हें अनुसूचित जाति का दर्जा दिए जाने के प्रश्न पर इसके निहितार्थ की जांच करना; और

iv. आयोग द्वारा उचित समझे जाने वाले किसी भी अन्य संबंधित प्रश्न की जांच केन्द्र सरकार के परामर्श और सहमति से करना।

3. इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि आयोग के विचारणीय विषयों (टीओआर) से संबंधित विषय की जानकारी रखने वाले तथा आयोग के समक्ष कार्यवाही में रुचि रखने वाले या आयोग की सहायता करने के इच्छुक सभी व्यक्ति, अपने तथ्यों का विवरण, प्रस्तुतियां या कोई अन्य प्रासंगिक साक्ष्य/विवरण आयोग को प्रस्तुत करें। प्रत्येक व्यक्ति तथ्यों, प्रस्तुतीकरण आदि का विवरण प्रस्तुत करते समय आयोग को वे दस्तावेज भी, **यदि कोई हों, जिन्हें वह आयोग को प्रस्तुत करने का प्रस्ताव रखता है, प्रस्तुत कर सकता है। यदि किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह ने केरल, कर्नाटक, गुजरात और बिहार में सार्वजनिक सुनवाई के दौरान पहले ही प्रस्तुतीकरण दे दिया है तो उन्हें अतिरिक्त सूचना साझा करने के मामले को छोड़कर प्रस्तुतीकरण को दोहराने की आवश्यकता नहीं है।** तथ्यों का विवरण, प्रस्तुतियां, दस्तावेज और अन्य विवरण आयोग के अध्यक्ष के कार्यालय, तीसरी मंजिल, डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी), 15 जनपथ, नई दिल्ली-110001 को इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर व्यक्तिगत रूप से या डिलीवरी रसीद विकल्प के बाद पंजीकृत / स्पीड पोस्ट या कूरियर के माध्यम से भेजे जा सकते हैं। तथ्यों, प्रस्तुतीकरण, सहायक दस्तावेजों या किसी अन्य प्रासंगिक सामग्री / विवरण के स्कैन किए गए और हस्ताक्षरित विवरण भी jbcommission-sje@gov.in पर ईमेल द्वारा भेजे जा सकते हैं।

न्यायमूर्ति बालाकृष्णन जांच आयोग
डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र
15 जनपथ, नई दिल्ली-110001

दिनांक: 29.3.2025
स्थान: नई दिल्ली

CBC 38101/11/0027/2425

'कर्नाटक में चल रहा महंगाई का उत्सव'

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने शुक्रवार को दूध की कीमतों में बढ़ोतरी समेत कई मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। भाजपा नेता का कहना है कि पिछले 20 महीनों में तीसरी बार दूध की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। दूध के दाम में कुल 9 रुपये की वृद्धि हो चुकी है। आर अशोक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दूध की कीमतों में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर कहा कि मैंने बजट सत्र में पहले ही कहा था कि विकास कार्यों के लिए टैक्स लगाना सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन सिद्दरामय्या ने चाल चली, उन्होंने टैक्स नहीं बढ़ाया, बल्कि कीमतों में बढ़ोतरी की। पिछले 20 महीनों में यह तीसरी बढ़ोतरी है, दूध की कीमतों में कुल 9 रुपये बढ़ोतरी हुई है। गणेश उत्सव के दौरान आपको एक और बढ़ोतरी का सामना करना पड़ेगा। महंगाई का उत्सव चल रहा है, जैसे विमान उड़ान के लिए कतार में खड़े हैं, वैसे ही यहां महंगाई का उत्सव चल रहा है और यह सब उनकी गारंटी योजनाओं की वजह से है।

कर्नाटक में आंतरिक आरक्षण पर आर अशोक ने कहा कि यह भी सीएम सिद्दरामय्या की चाल है, वह आंतरिक आरक्षण नहीं चाहते, वास्तव में हमारी सरकार पहले ही ऐसा कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर अपना फैसला दे दिया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे मंजूरी दे दी है, फिर भी वह ऐसा कर रहे हैं।

बांदीपुर वन (कांग्रेस सरकार शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक का प्रतिबंध हटाना चाहती है) पर भाजपा नेता ने कहा कि वे ऐसा कैसे कर सकते हैं? हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का आदेश मौजूद है, यह गैरकानूनी है। वे ऐसा इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ऐसा चाहते हैं। उनके लिए ये लोग महान हैं।

अदालत का सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन से 50 प्रतिशत से अधिक कटौती ना करने का आदेश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केनरा बैंक को निर्देश दिया है कि वह किसी सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी से बकाया ऋण वसूली के लिए उसकी पेंशन में से 50 प्रतिशत से अधिक की कटौती न करे। अदालत ने कहा कि पेंशन सेवानिवृत्त लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा का काम करती है और इसे धोखाधड़ी, जालसाजी या कदाचार के मामलों को छोड़कर पूरी तरह से ऋण चुकाने में नहीं लगाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति एस जी पंडित ने फैसला सुनाते हुए कहा कि बैंकों को बकाया राशि वसूलने का कानूनी अधिकार है, लेकिन उन्हें पेंशनभोगियों की आजीविका की सुरक्षा करने वाले नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेंशनभोगी की वित्तीय स्थिरता आवश्यक है और उन्हें ऋण चुकाने के लिए अपनी पूरी पेंशन छोड़ने के लिए मजबूर करना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होगा। यह मामला अदालत के समक्ष 70 वर्षीय मुरुगन ओ के द्वारा लाया गया, जो केनरा बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं तथा वर्तमान में केरल के त्रिशूर में रहते हैं। मुरुगन 30 नवंबर 2014 को सेवानिवृत्त हुए थे और अपनी पेंशन के एक हिस्से से लगातार अपने लोन की ईएमआई का भुगतान कर रहे हैं। हालांकि, जुलाई 2024 से, केनरा बैंक ने बकाया चुकाने के लिए उनकी पूरी पेंशन काटनी शुरू कर दी, जिसके कारण उन्हें कानूनी हस्तक्षेप की मांग करनी पड़ी।

बेंगलूरु में महिला की हत्या मामले में पति मुख्य संदिग्ध : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु में 32 वर्षीय महिला का शव एक सूटकेस में मिलने के मामले में उसका पति मुख्य संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक महिला के पति ने कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिसका अब पुणे में इलाज हो रहा है। मृतक गौरी खेडेकर का शव बृहस्पतिवार को एक सूटकेस में मिला था। वह महाराष्ट्र की मूल निवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि उसका पति राकेश राजेंद्र खेडेकर अपराध के बाद पुणे भाग गया, जहां उसने कथित तौर पर जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। मुख्य संदिग्ध राकेश राजेंद्र खेडेकर को हत्या के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है और फिलहाल महाराष्ट्र के एक अस्पताल में उसका इलाज हो रहा है।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शहर के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और ऐसा लगता है कि महिला का पति ही मुख्य संदिग्ध है। उन्होंने बताया, उसे पुणे के एक अस्पताल में भर्ती पाया गया है। ऐसा कहा जा रहा है कि उसने आत्महत्या के प्रयास में जहर खा लिया था। वह अस्पताल में हैं और हमारी टीम ने पुणे पुलिस से संपर्क किया है।

दयानंद के अनुसार बेंगलूरु पुलिस की एक टीम पुणे गई है और जैसे ही उसे अस्पताल से छुट्टी मिलेगी उसे पूछताछ के लिए यहां लाया जाएगा। हत्या के पीछे वैवाहिक विवाद को कारण बताया जा रहा है। उन्होंने कहा, मृतका के रिश्तेदार बेंगलूरु आ गए हैं और बाकी जानकारी उनसे ली जाएगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मकान मालिक ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना दी थी।

महिला और उसका पति पिछले महीने बेंगलूरु चले गए थे और डोड्डाकम्मनहल्ली गांव में एक फ्लैट में रह रहे थे। महिला का पति एक आईटी कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में काम करता है। महिला का शव फ्लैट के 'स्नानघर' में सूटकेस में मिला। उसके शरीर पर चाकू के घाव के निशान थे।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी को यहां लाकर पूछताछ करने के बाद ही हत्या के पीछे के वास्तविक मकसद का पता चल सकेगा। अधिकारी ने कहा, मामले की जांच की जा रही है और इन विवरणों को सत्यापित करने की आवश्यकता है। पुलिस ने बताया कि महिला के पास पत्रकारिता एवं जनसंपर्क में स्नातक की डिग्री थी और उसका पति घर से काम करता था। पुलिस ने बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किये हैं।

चित्रदुर्ग बेल्लारी आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार का उद्यम के पूर्ण स्वामित्वाधीन सहायक कंपनी)
दक्षिणी क्षेत्र-II आरएचक्यू, आरटीओ ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के पास, सिंगनायकनहल्ली,
येलहंका होबली, बैंगलोर-64. फोन 080-23093700

सार्वजनिक अधिसूचना

चित्रदुर्ग बेल्लारी आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड (जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली, भारत-110016 में है), भारत सरकार को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत सभी अधिकार प्रदान करने के लिए आवेदन करना चाहता है ताकि बिजली पारेषण के लिए विद्युत लाइनें या विद्युत संयंत्र लगाए जा सकें या टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास जो सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित किए जाने वाले टेलीग्राफ के प्रयोजन के लिए टेलीग्राफ लाइनें और पोस्ट लगाए जाने के संबंध में टेलीफोन या टेलीग्राफिक संचार के प्रयोजन के लिए कार्यों के उचित समन्वय के लिए **दूरसंचार अधिनियम, 2023 (पहले भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885)** के अंतर्गत आवश्यक हो और निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजनाओं के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, संस्थापन और अन्य कार्यों के बाद कमीशनिंग, परिचालन, रखरखाव और अन्य कार्यों का निष्पादन करेगा।

ट्रांसमिशन स्कीम का नाम: कर्नाटक में दावणगेरे/चित्रदुर्ग और बेल्लारी आरईजेड के एकीकरण के लिए ट्रांसमिशन स्कीम।

इस योजना के अंतर्गत शामिल कार्य:

क्र.सं.	ट्रांसमिशन स्कीम का कार्य क्षेत्र
1.	दावणगेरे/चित्रदुर्ग, कर्नाटक के पास 765/400 केवी 4X1500 एमवीए, 400/200 केवी 4X500 एमवीए पूलिंग स्टेशन की स्थापना जिसमें 400 केवी लेवल पर प्रत्येक 4500 एमवीए के दो (2) सेक्शन और 220 केवी लेवल पर प्रत्येक 2500 एमवीए के चार (4) सेक्शन का प्रावधान है।
2.	दावणगेरे/चित्रदुर्ग 765/400 केवी पीएस (~40 किमी) पर नरेंद्र न्यू-मधुगिरि 765 केवी डी/सी लाइन का एलआईएलओ (नरेंद्र न्यू-दावणगेरे खंड (~280 किमी) पर दोनों छोर पर 240 एमवीएआर एसएलआर और दावणगेरे-मधुगिरि खंड (200 किमी) पर दावणगेरे छोर पर 330 एमवीएआर एसएलआर के साथ)
3.	दावणगेरे/चित्रदुर्ग पीएस में 2X330एमवीएआर (765केवी) बस रिएक्टर
4.	नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन (वर्तमान में 400 केवी लेवल पर चार्ज) का उसके रेटेड 765 केवी वोल्टेज लेवल पर उन्नयन
5.	मधुगिरि {तुमकुर (वसंतनरसापुरा)} को 3X1500 एमवीए, 765/400केवी आईसीटी और 2X330एमवीएआर, 765केवी बस रिएक्टर्स के साथ 765 केवी लेवल के रेटेड वोल्टेज तक उन्नयन
6.	बेल्लारी क्षेत्र (बेल्लारी पीएस), कर्नाटक के निकट 4X500एमवीए, 400/220केवी पूलिंग स्टेशन की स्थापना
7.	बेल्लारी पीएस-दावणगेरे/चित्रदुर्ग 400 केवी (क्वाड एसीएसआर मूस) डी/सी लाइन
8.	बेल्लारी पीएस में 2X125 एमवीए 420केवी बस रिएक्टर

स्कीम के अंतर्गत शामिल किए गए नरेंद्र न्यू स्टेशन पर नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन का उक्त टर्मिनेशन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, आसपास और उनके बीच से होकर गुजरेगा:

राज्य: कर्नाटक

गांव का नाम	तालुक	जिला
मुत्तगी	बसावनबागेवाड़ी (बसवानाबागेवाड़ी)	बीजापुर {विजयपुरा}
कुडगी [कुडगी], कुडगी तांडा	कोल्हार (कोल्हारा) (निडागुंडी)	

स्कीम के अंतर्गत मधुगिरी स्टेशन पर नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन का उक्त टर्मिनेशन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से होकर गुजरेगा:

राज्य: कर्नाटक

गांव का नाम	तालुक	जिला
येलाडडलू (येलाडाडालु) [यालाडाडलू], (नागेनहल्ली), बच्छंद्रा [बत्संद्रा], [गिरियानहल्ली], लिंगनहल्ली (लिंगनहल्ली), गोल्लहल्ली [पी/टी गोल्लहल्ली], तिम्मराजनहल्ली (थिम्मराजनहल्ली), (कुरिकेम्पनहल्ली), नागार्जुनहल्लीपुरा (नागार्जुनहल्ली), (वड्डरहल्ली) [वडेरा हल्ली], बोम्मनहल्ली, चिक्कनहल्ली (चोककेनहल्ली) [चिक्कनहल्ली], (वसंतनरसापुरा) [वसंतनरसापुरा], [डोड्डानपाल्या], केम्पानाडोडेरी [केम्पानाडोडेरी], बुरदग्नट्टा (बुरदघट्टा) [बुरुदघट्टा], [शीबिदासराहल्ली], हनुमंतपुरा, केतेनहल्ली, गोल्लरहट्टी [गोल्लरहट्टी], (गौडीहल्ली)	तुमकुरु (तुमकुर)	तुमकुरु (तुमकुर)

स्कीम के अंतर्गत शामिल नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन दावणगेरे/चित्रदुर्ग 765/400 केवी पीएस (लाइन इन) का उक्त एलआईएलओ निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, उनके आसपास और उनके बीच से गुजरेगा:

राज्य:कर्नाटक

गांव का नाम	तालुक	जिला
जुम्मोबनहल्ली, लोकिकेरे, पुजारीहल्ली (पूजारहल्ली), हुलिकेरे [हुलिकेरी], अलुरु (अलूर), कल्लाहल्ली, केंचमल्लनहल्ली (केंचमल्लनहल्ली), कनमदुगु, सकलापुर	कुडलिगी	बेल्लारी (बेल्लारी) [विजयनगर]
पिचराहट्टी, यमबली, कन्नबोरानाहट्टी, तंडाहट्टी	–	बेल्लारी (बेल्लारी) [विजयनगर]
मूगिनाचिक्केनहल्ली [मूगिनचुक्केनहल्ली], मदमुत्तेनहल्ली (मदमुथनहल्ली), येरेहल्ली [यारेहल्ली], थायिटोन (टाइटोन) [टयितोनी], काननकट्टे, हुच्वव्वनहल्ली (हुच्चव्वनहल्ली) [हुच्चव्वनहल्ली], बंगारक्कनगुड्डा, हिरे मल्लानाहोळे (हिरेमल्लानाहोळे) [हिरेमल्लानाहुले], बडबादनहल्ली, भरमासमुद्र (भरमासमुद्र), सिद्दम्मनहल्ली, कामगेतनहल्ली (कामागेथनहल्ली), मुदालमाचिकेरे (मुडलमाचिकेरे), तिम्मलापुर (थिम्मलापुरा) [तिमलपुरा], गोगुड्डु (रड्डीहल्ली), हनुमंतपुर (हनुमंतपुरा) [हनुमंतपुरा], रंगपुरा, उड्डुगट्टा (उड्डगट्टा), जगलूर (जगलूर (टीपी)/ग्रामीण), पपेदेवराहल्ली, चिक्कम्मनहल्ली (चिक्कम्मनहट्टी), कनकुप्पा (कनकुप्पे), गिद्दिनकट्टा (गिद्दनकट्टे), बायरनैकनहल्ली [बैरानायकनहल्ली], केलागोटे [केलागोटे], केंचेनाहल्ली [केचचेनहल्ली], वीरव्वनगथिहल्ली [वीरव्वनगतिहल्ली], गौडागोंडानहल्ली (गौडागोंडानहल्ली) [गौडागोंडानहल्ली], तमाडिहल्ली (तमलिहल्ली) [तमलीहल्ली], बग्गेनहल्ली, रस्ते माचिकेरे (रस्तेमाचिकेरे), मलम्मनहल्ली, बुल्लानहल्ली, कस्तूरीपुरा, व्यासगोंडानहल्ली (वैश्यगोंडानहल्ली) [वैश्यगोंडानहल्ली], गोपागोंडानहल्ली, बिस्टुवल्ली, बिदारकेरे (बिदारकेरे), निबगुर (निबागुर) [निबागुरु], संते मुद्दपुरा (संथेमुद्दापुरा) [संतेमुद्दपुरा], गुट्टीदुर्गा, सोमनहल्ली, रस्ते मकुंटे (रस्तेमाकुंटे), कट्टिगेहल्ली, कोराटिकेरे (कोर्तिकेरे), हलावदंडी, देवीकेरे, मद्दारसानाकट्टे, अरासिनागुंडी [अरिशिनगुंडी], जम्मापुरा, लिंगन्नानहल्ली, बोम्मक्कनहल्ली, मारेनहल्ली, मदागिनाकेरे (मेल्डागिनाकेरे), सेट्टीगोंडानहल्ली [शेट्टीगोंडानहल्ली], चन्नपुरा, बसवपुरा, कोटादागुड्डा [कोडादगुड्डा], मुस्तिगाराहल्ली, हुच्वनहल्ली [हुच्चापलानाहल्ली], कसावनहल्ली, महाराजारहट्टी, राजेनहट्टी, अय्यानहल्ली, बयाटेगरनहल्ली (ब्यतागरानहल्ली), होन्नामराडी [होन्नमराडी], दोनेहल्ली (दोनेहल्ली) [दोनेहल्ली], मुस्तुरु (मुस्तूर), बेनेहल्ली, कुलोबनहल्ली, लक्केनहल्ली, अनाबेनकनहल्ली, विरागोंडानहल्ली, कोरसरहट्टी, अक्कनुरु	जगलुरु (जगलूर)	दावणगेरे
वड्डरहट्टी [वडेरहट्टुरु]	होन्नाली	दावणगेरे
गोल्लरहट्टी, लम्बानिहट्टी, अनाबुरु (अनाबुर) [अनाबेरू], गोल्लरहल्ली	दावणगेरे	दावणगेरे
मालुरु	–	दावणगेरे

स्कीम के अंतर्गत शामिल नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन दावणगेरे/चित्रदुर्ग 765/400 केवी पीएस (लाइन आउट) का उक्त एलआईएलओ निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, उनके आसपास और उनके बीच से गुजरेगा:

राज्य: कर्नाटक

गांव का नाम	तालुक	जिला
जुम्मोबनहल्ली, लोकिकेरे, पुजारीहल्ली (पूजारहल्ली), हुलिकेरे [हुलिकेरी], अलुरु (अलूर), कल्लहल्ली, केंचमल्लनहल्ली (केंचमल्लनेहल्ली), कनमडगु, सकलापुर	कुडलिगी	बेल्लारी (बेल्लारी) [विजयनगर]
पिचराहट्टी, यमबली, कन्नबोरानाहट्टी, तंडाहट्टी	–	बेल्लारी (बेल्लारी) [विजयनगर]
मूगिनाचिक्केनहल्ली [मुगिनाचुक्केनहल्ली], मदमुत्तेनहल्ली (मदामुथनहल्ली), येरेहल्ली [यारेहल्ली], थायिटोन (टाइटोन)[तयितोनी], काननकट्टे, हुच्वव्वनहल्ली (हुच्चव्वनहल्ली) [हुच्चव्वनहल्ली], बंगारक्कनगुड्डा, हिरे मल्लानाहोळे (हिरेमल्लानाहोळे)[हिरेमल्लानहुळे], बदाबदनहल्ली, भरमासमुद्र (भरमासमुद्र), सिद्दम्मनहल्ली, कामागेतनहल्ली (कामागेथनहल्ली), मुदालमाचिकेरे (मुडलमाचिकेरे), तिम्मलापुर (थिम्मलापुरा) [तिमलपुरा], गोगुड्डु (रड्डीहल्ली), हनुमंतपुर (हनुमंतपुरा) [हनुमंतपुरा], रंगपुरा, उड्डुगट्टा (उड्डगट्टा), जगलूर (जगलूर (टीपी)/ग्रामीण), पपेदेवराहल्ली, चिक्कम्मनहल्ली (चिक्कम्मनहट्टी), कनकुप्पा (कनकुप्पे), गिद्दिनकट्टा (गिद्दनकट्टे), बायरनैकनहल्ली [बैरानायकनहल्ली], केलागोटे (केल्लागोटे), कंचेनाहल्ली [केचचेनहल्ली], वीरव्वननगथिहल्ली [वीरव्वननगतिहल्ली], गौडागोंडानहल्ली (गौड़ागोंडानहल्ली) [गौड़ागोंडानहल्ली], तमाडिहल्ली (तमलिहल्ली) [तमलीहल्ली], बग्गेनाहल्ली, रस्ते माचिकेरे (रस्तेमाचिकेरे), मालम्मनहल्ली, बुल्लानहल्ली, कस्तूरीपुरा, व्यासगोंडानहल्ली (वैश्यगोंडानहल्ली) [वैश्यगोंडानहल्ली], गोपगोंडानहल्ली, बिस्टुवल्ली, बिदरकेरे (बिदारकेरे), निबगुर (निबागुर) [निबागुरु], संते मुद्दापुरा (संतेमुद्दापुरा) [संतेमुद्दापुरा], गुट्टीदुर्गा, सोमनहल्ली, रस्ते मकुंटे (रस्तेमाकुंटे), कट्टिगेहल्ली, कोराटिकेरे (कोर्टिकेरे), हलावदंडी, देवीकेरे, मद्दरासनकट्टे, अरसिनागुंडी [अरिशिनागुंडी], जम्मापुरा, लिंगन्नानहल्ली, बोम्मक्कनहल्ली, मारेनाहल्ली, मादगिनकेरे (मेल्डागिनकेरे), सेट्टिगोंडानहल्ली [शेट्टीगोंडानहल्ली], चन्नपुरा, बसवपुरा, कोटादागुड्डा [कोडादगुड्डा], मुस्तिगराहल्ली, हुचव्वनहल्ली [हुच्चापालनहल्ली], कसावनहल्ली, महाराजरहट्टी, राजेनहट्टी, अय्यनहल्ली, ब्याटेगरनहल्ली (ब्याटगारानहल्ली), होन्नमराडी [हान्नेमरडी], दोनेहल्ली(दोनेहल्ली) [दोनेहल्ली], मुस्तुरु (मुस्तूर), बेन्नेहल्ली, कुलोबनहल्ली, लक्केनहल्ली, अनाबेनकनहल्ली, विरागोंडानहल्ली, कोरसरहट्टी, अक्कनुरु	जगलुरु (जगलूर)	दावणगेरे
वड्डरहट्टी [वडेरहट्टुरु]	होन्नाली	दावणगेरे
गोलारहट्टी, लम्बानिहट्टी, अनाबुरु (अनाबुर) [अनाबेरू], गोलारहल्ली	दावणगेरे	दावणगेरे
मालुरु	–	दावणगेरे

स्कीम के अंतर्गत शामिल बेल्लारी पीएस – दावणगेरे/चित्रदुर्ग 400 केवी (क्वाड एसीएसआर मूस) डी/सी लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, उनके आसपास और उनके बीच से गुजरेगी:

राज्य: कर्नाटक

गांव का नाम	तालुक	जिला
बिस्टुवल्ली, कस्तूरीपुरा, कुल्लोबनहल्ली, गोपागोंडानहल्ली, बुल्लानहल्ली, व्यासगोंडानहल्ली (वैश्यगोंडानहल्ली) [वैश्यगोंडानहल्ली], मदागिनाकेरे (मेल्डागिनकेरे), हलावदंडी, रस्ते माचिकेरे (रस्तेमाचिकेरे), मलम्मनहल्ली, बायराइकनहल्ली (बयरनायकनहल्ली) [बैरानायकनहल्ली], गिद्दिनकट्टा (गिद्दनकट्टे), चिक्कम्मनहल्ली (चिक्कम्मनहट्टी/चिक्कबन्नीहट्टी) [चिक्कम्मनहट्टी], रंगपुरा, जगलूर (जगलूर (टीपी)), पापदेवराहल्ली, कंचेनाहल्ली (केचचेनहल्ली), केलागोटे [केलागोट], कनकुप्पा (कनकुप्पे), हुच्चापालनहल्ली (हुच्वव्वनहल्ली) [हुच्चापालनहल्ली], इनाहल्ली, मुश्तीगरहल्ली (मुस्तिगराहल्ली), कोडदागुड्डा (कोटदागुड्डा), चेन्नापुरा (चन्नपुरा), बसवपुर बसवापुरा), सेट्टीगुंडनहल्ली (सेटीगोंडानहल्ली) [शेट्टीगोंडानहल्ली], देवीकेरे, हिरे अरीकेरे (हिरेराकेरे), अज्जिबोम्मनहल्ली (अज्जबोम्मनहल्ली) [अज्जमोम्मनहल्ली], सुरद्दीहल्ली, बोरापुरा, मेडिकेरीहल्ली (मेडकेरेहल्ली) [मेडकेरनहल्ली], मिनीगराहल्ली (मीनिगराहल्ली), लिंगनहल्ली (लिंगन्नानहल्ली), कचेनहल्ली, सुरगोंडानहल्ली, पलनायकनकोटे (पलनायकनकोटे)[पलनायकनकोटे], कल्लेनहल्ली, गोडे, तारेहल्ली (थारेहल्ली), गौडिकट्टे (गौडिकट्टे)[गौडेकट्टे], मालेमाचिकेरे, मारीकुंटे, कुलमगट्टा (कोलमघट्टा) [कोलांगटे], असगोडु, ओबालापुरा, मसानीकट्टे, पल्लागट्टा (पल्लागाटे), चिक्कौरलाकट्टे (चिक्कुरलाकट्टे), उरलाकट्टे, राजापुरा, केंचम्मनगथिहल्ली [केंचम्मनगतिहल्ली], डिडिगे, उचांगिपुर (हुचांगीपुरा) [उचांगिपुरा], गुड्डनैकानहल्ली (गुड्डनायकनहल्ली), चल्लाकट्टे, रंगैहनादुर्गा (रंगाय्यनदुर्गा), वरविनहल्ली (वरवेनहल्ली), उज्जप्पवडेरहल्ली, सिद्दयानकोटे (सिद्दैयानाकोटे) [सिद्दयानकोटे], जदानकट्टे, बसवनकोटे, मगदी, अगासनहल्ली, महाराजारहट्टी, बग्गेनहल्ली, राजेनहट्टी, अय्यानाहल्ली, कटेनहल्ली, कसावनहल्ली, निचापुर (निचापुरा) [निचापुरा], कोराटिकेरे (कोर्तिकेरे), सोमनहल्ली	जगलूर (जगलुरु)	दावणगेरे
वड्डरहट्टी (वडेरहट्टुरु), हुनसिहल्ली (हुनसेहल्ली)	होन्नाली	दावणगेरे
गोलारहट्टी (गोल्लारहल्ली), केंचम्मनहल्ली, गुड्डिहालु (गुडालू)	दावनगेरे	दावणगेरे
उद्दगट्टानहल्ली, कुनेमादिहल्ली, हगारिचिमहल्ली, लोलेश्वर, केसरहल्ली, हरलु	–	दावणगेरे
मदिहल्ली, होसाकोटे, अरासिकेरे (अर्सिकेरी) [अरासिकेरी], कडबगेरे (कडबगेरी), हागारिगुडीहल्ली (हगारी गुडिहल्ली), सासविहल्ली (सासविहल्ली), मत्तीहल्ली (मथिहल्ली), मुत्तिगी, निलावनजी (निलुवनजी), पृथ्वेश्वर (पृथ्वेश्वर) [पृथेश्वर], बेन्नीहल्ली [बेनेहल्ली], चिगाटेरी, मैदुरू (मायदुर), गजापुर (गजापुरा), मायदुरु हिल ब्लॉक नंबर 3, नंदीबेवुरु (नंदीबेवूर), उच्छंगीपुर (उचांगदुर्गा), बुदिहालु (बुदिहाल), कडाकोल्ला, भाविहल्ली, नंदीबेवुरु टांडा, कोंगनाहोसुरु (कोंगनाहोसूर) [कोंगनाहोसुरु]	हरपनहल्ली	दावणगेरे
मुसुवनकल्लाहल्ली (मुसुविनकल्लाहल्ली) [मुसुकिनकल्लाहल्ली], इत्तिगी [इतिगी], महाजनादहल्ली [महाजंधहल्ली], उत्तंगी, सोगी, होलागुंडी, हेल इत्तिगी, वरकनहल्ली (वरकनहल्ली)	हडगली	बेल्लारी (बेल्लारी)
मोरगेरी (मोरेगेरी), कन्नेहल्ली, कुदतनिमाग्गी (कुदिथिनमोग्गी) [कुदितिनमाग्गी], सोना, नेल्लुकुद्री कॉलोनी (नेल्लुकुद्री) [नेल्लुकुदरी], अम्बाली(अम्बली)	हगारीबोम्मनहल्ली	बेल्लारी (बेल्लारी)
होन्नाहल्ली	होसपेट	बेल्लारी (बेल्लारी)
अलाबुरू(अलाबुर)(अलुबुरू)	कोट्टूरू	बेल्लारी (बेल्लारी)
तलकल्लु	–	बेल्लारी (बेल्लारी)
कनिवेहल्ली (कनविहल्ली) [कनवेहल्ली], कोगाली, अदाविमल्लनकेरे (अदविमल्लनकेरी), रामप्पनायकनहल्ली, बसवनलु, गौरीपुर, बालिगनुरु, संगमेश्वर, नंदीहल्ली, हनुमगोंडानहल्ली	–	बेल्लारी (बेल्लारी)

रूट सरेखण की प्रति नीचे हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपलब्ध है। आम जनता को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि (29.03.2025) से दो माह के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तावित ट्रांसमिशन सिस्टम पर टिप्पणी/प्रतिनिधित्व करने के लिए सूचित किया जाता है।

बी. श्रीधर
जीएम (प्रोजेक्ट-इंचार्ज)

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:

SR-II/PR-17/2024-25/PBN/Associated

राजस्थानी पोशाक पहनकर विद्यालय आएंगे शिक्षक-विद्यार्थी, नमस्ते-गुड मॉर्निंग की जगह बोलेंगे खम्माघणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च 2025 को रविवार होने के कारण राजकीय विद्यालयों में 29 मार्च को ही राजस्थान दिवस के अवसर पर नो बैग डे के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर निदेशक माध्यमिक शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किये हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। जिसके तहत राजस्थान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति से रुबरु करवाने के लिए विद्यार्थी, शिक्षक सहित विद्यालय के अन्य कर्मचारी साफा, धोती-कुर्ता, कुर्ता- पायजामा, राजपूती पोशाक जैसी पारंपरिक पोशाक पहनकर आएंगे। इससे विद्यार्थियों को राज्य की लोक परंपराओं से जुड़ने एवं सांस्कृतिक विविधता को करीब से समझने एवं आत्मसात करने का अवसर मिलेगा।

वहीं, राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी अभिवादन में गुड मॉर्निंग या नमस्ते के स्थान पर खम्मा घणी, राम-राम सा, पधारो सा बोलेंगे। राजस्थानी भाषा में भाषण, कविता प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा, राजस्थानी शब्दों, मुहावरों और लोकोक्तियों से परिचय करवाया जाएगा

राजस्थान पर्यटन विभाग को तीन श्रेणी में मिले पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की ओर से राजस्थान पर्यटन को दुनिया का सिरमौर बनाये जाने के लिए किए जा रहें प्रयास रंग ला रहें हैं। इसी का सुपरिणाम है कि इंडिया टुडे समूह द्वारा राजस्थान पर्यटन विभाग को तीन श्रेणीयों में इंडिया टुडे टूरिज्म अवार्ड्स 2025 शुक्रवार को प्रदान किए गए।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित समारोह में राजस्थान के आमेर किले को सर्वश्रेष्ठ विरासत गंतव्य श्रेणी में, कुंभलगढ़ को सर्वश्रेष्ठ पर्वतीय गंतव्य श्रेणी में तथा बीकानेर को सर्वश्रेष्ठ पाक-कला गंतव्य श्रेणी में विजेता घोषित कर, इंडिया टुडे टूरिज्म सर्वे और अवार्ड्स 2025 प्रदान किए गए। राजस्थान पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने उक्त पुरस्कार ग्रहण किए।

उल्लेखनीय है कि इंडिया टुडे टूरिज्म सर्वे और अवार्ड्स समारोह प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। जिसमें देश भर में पर्यटन को बढ़ावा देने के तरीकों पर गहन सत्रों के आयोजन के अलावा, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को वार्षिक पर्यटन पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।

भजनलाल ने दस हजार करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास एवं लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास सुशासन का मंत्र बताते हुए कहा है कि विकास और सुशासन के इस संकल्प में जनता का साथ हमारी ताकत है और हम राजस्थान को एक समृद्ध और विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। शर्मा शुक्रवार को भीलवाड़ा में राजस्थान दिवस कार्यक्रम के तहत आयोजित विकास एवं सुशासन उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान के एकीकरण में अपना अमूल्य योगदान देने वाली महान विभूतियों को, विशेष रूप से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों के कारण ही राजपूताना की रियासतों का एकीकरण संभव हो सका। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब से हर साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर ही राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं के दिशा-निर्देश जारी करने के साथ ही 10 हजार करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने नगरीय विकास विभाग से संबंधित डेलीगेशन के आदेश, फायर एनओसी प्राप्त करने की प्रक्रिया के सरलीकरण, नए जिलों में डीएमएफटी के गठन, हरित अरावली विकास परियोजना, अन्नपूर्णा भण्डार, रजिस्ट्रार कार्यालय सप्ताह में दो दिन सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक खुलने के दिशा-निर्देश जारी किए। इस अवसर पर सभी जिलों की पंचगौरव पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इससे स्थानीय क्षमताओं और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पत्रकार हमारे लोकतंत्र के प्रहरी और चौथा स्तंभ हैं। विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने में उनकी भूमिका अहम है। उनके श्रम और समर्पण को सम्मान देते हुए हमारी सरकार ने पत्रकार हेल्थ कवरेज (आरजेएचएस) योजना का शुभारंभ किया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए चिकित्सा ऐप लॉन्च किया गया है। इससे मरीज घर बैठे मोबाइल से अपॉइंटमेंट ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना के आज जारी हुए दिशा-निर्देश शहरों को और अधिक समृद्ध और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के शासन में महिला उत्पीड़न, पेपर लीक की घटनाएं, बिजली की किल्लत, जल जीवन मिशन में घोटाले, ईआरसीपी के नाम पर राजनीति एवं आर्थिक कुप्रबंधन

जैसे मामलों से प्रदेश अराजकता और अव्यवस्था की गिरफ्त में रहा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में केवल जनता को दिखाने के लिए इन्वेस्टमेंट समिट किया था जबकि हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया, क्योंकि हमारी मंशा इन एमओयू को धरातल पर उतारना है।

उन्होंने कहा कि आज राजस्थान विकास की पटरी पर तेजी से दौड़ रहा है। हमारी सरकार किसान, युवा, मजदूर, महिला के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। हमने किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने का लक्ष्य रखा है, साथ ही उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न नीतियां जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन में 12 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल, पेपर लीक प्रकरणों में गिरफ्तारी, राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू, राम जल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते जैसे जनता से किए गए प्रत्येक वादे को पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन हमारे देश और प्रदेश की प्रगति की कुंजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार अच्छा शासन वही है जो लोगों की आकांक्षाओं और उम्मीदों के अनुसार काम करे। इसी के मद्देनजर हमारी सरकार आमजन की बेहतरी और कल्याण के लिए काम कर रही है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि 30 मार्च 1949 को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही वृहद राजस्थान का गठन हुआ था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सनातन संस्कृति की परंपरा को कायम करते हुए हर वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान दिवस मनाए जाने की सराहनीय पहल की है। उन्होंने कहा कि सुशासन लोकतंत्र की रीढ़ है और अच्छी नीति एवं नीयत के साथ ही सुशासन स्थापित होता है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट के अन्तर्गत 35 लाख करोड़ के निवेश एमओयू हुए हैं, जिससे प्रदेश विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

उपमुख्यमंत्री डा प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है। मुख्यमंत्री की पहल पर साप्ताहिक कार्यक्रमों के माध्यम से राजस्थान दिवस का वृहद स्तर पर आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत विभिन्न वर्गों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री के भगीरथ प्रयासों से डबल इंजन की सरकार प्रदेश में प्रगति के पथ पर नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर चित्तौड़गढ़ आलोक रंजन, जिला कलक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह, शासन सचिव कार्मिक के.के. पाठक, महानिदेशक साइबर क्राइम शरद कविराज, महानिदेशक बीकानेर रेंज ओमप्रकाश को अटल ई-गवर्नेंस स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया। कार्यक्रम में विधायक अशोक कोठारी, लादु लाल पितलिया, गोपाल लाल शर्मा, गोपी चन्द मीणा, उदयलाल भड़ाना, जब्बर सिंह सांखला, लाला राम बैरवा एवं शत्रुघ्न गौतम भी मैजूद थे। इस दौरान विभिन्न जिलों से जनप्रतिनिधि एवं लाभार्थी वीसी के माध्यम से भी जुड़े।

प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने राजस्थान की कला और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया गौरवान्वित : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की कला और संस्कृति विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान की समृद्ध कला, संस्कृति और कारीगरों की अनूठी कला को संवर्धन और संरक्षण करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में साप्ताहिक महोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजस्थान फाउंडेशन के स्थापना दिवस के अवसर पर जवाहर कला केंद्र में राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को समर्पित 28 से 30 मार्च तक तीन दिवसीय 'प्रवासी आर्ट प्रदर्शनी और क्रिएटिविटी वर्कशॉप' का शुक्रवार को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शुभारंभ किया।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल प्रवासियों के हुनर व कला के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित करने का एक मंच है, बल्कि यह प्रवासी राजस्थानियों और उनके गृह राज्य के बीच सांस्कृतिक सेतु को और अधिक मजबूत करने का भी अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन द्वारा किया गया यह प्रयास सराहनीय है, इससे प्रवासी समुदाय का राज्य से जुड़ाव और अधिक प्रगाढ़ होगा। उन्होंने वर्कशॉप में ज़ेंटेंगल्स आर्ट और वाटर कलर पेंटिंग सीख रहे प्रतिभागियों के साथ संवाद किया और वर्कशॉप में पारंपरिक खेलों बाघ-बकर, चार-भर और सोलह गुटियां, चतुरंग सेट, रज्जू सरपा, निन्यानवे का फेर आदि पर भी हाथ आजमाया।

इस दौरान कर्नल राठौड़ ने जावहर कला केन्द्र में ग्रामीण गैर कृषि विकास अभिकरण (रुडा) द्वारा आयोजित शिल्पांगन प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का अवलोकन कर हस्तशिल्पियों से संवाद किया। शिल्पांगन में टेक्सटाइल व मिनिएचर पेंटिंग, लकड़ी, पत्थर व संगमरमर हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित कृतियां और आभूषण के साथ-साथ चर्म उत्पाद, मोजड़ी, जयपुर ब्लू पॉटरी को प्रदर्शित किया गया।

राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ मनीषा अरोड़ा ने बताया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से 5 देशों और 8 राज्यों के प्रतिभाशाली प्रवासी राजस्थानियों की कलाकृतियों को पहली बार एक साथ लाया गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान के रतनगढ़, चूरू से कोलकाता में बसे प्रवासी राजस्थानी अमन गोपाल पिछले कई वर्षों से पारंपरिक रॉयल बोर्ड गेम्स को पुनर्जीवित एवं प्रोमोट करने का काम कर रहे हैं। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में देश-विदेश के प्रवासी राजस्थानियों की कलात्मक प्रतिभा को एक मंच प्रदान किया गया है जिसमें पारंपरिक शाही बोर्ड गेम्स, ज़ेंटेंगल्स, आकर्षक कशीदाकारी, पेंटिंग्स और स्कल्पचर्स जैसी विभिन्न कलात्मक अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

साथ ही, क्रिऐटिवटी वर्कशॉप में युवाओं को ज़ेंटेंगल्स आर्ट, वाटर कलर पेंटिंग और पारंपरिक रॉयल बोर्ड गेम्स के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

माल्टा में पहली बार गूंजेगा 'पधारो म्हारे देश', दौसा की धोली मीणा की अनूठी पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास की गूंज अब यूरोप तक पहुंच चुकी है। पहली बार, 30 मार्च को यूरोप के माल्टा में भव्य राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की अगुवाई दौसा की धोली मीणा कर रही हैं, जो वर्षों से भारतीय और राजस्थानी संस्कृति के प्रचार-प्रसार में जुटी हुई हैं।

राजस्थान दिवस पर राजधानी वैलेटा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, भव्य परेड, प्रदर्शनियां और उत्सव आयोजित किए जाएंगे। भारतीय दूतावास और राजस्थानी समुदाय के सहयोग से होने वाले इस आयोजन में न केवल राजस्थान के प्रवासी, बल्कि माल्टा और अन्य देशों के गणमान्य लोग भी भाग लेंगे।

हॉलीवुड और ब्यूटी क्वींस की रहेगी मौजूदगी : धोली मीणा ने बताया कि इस खास आयोजन में प्रतिष्ठित मेहमान भी शामिल होंगे, जिनमेंमिस वर्ल्ड माल्टा मिस मार्टिन कटाजर, जो इस साल हैदराबाद में होने वाली मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता में माल्टा का प्रतिनिधित्व करेंगी। मिस यूनिवर्स माल्टा विजेता बीट्रिक नजोया। हॉलीवुड एक्टर डेविड टुच्ची।

धोली मीणा ने बताया कि उन्होंने 20 से अधिक महिलाओं की टीम बनाकर राजस्थानी लोकनृत्य की प्रस्तुति के लिए विशेष तैयारी की है। मेहमानों के लिए दाल-बाटी-चूरमा सहित पारंपरिक व्यंजनों की व्यवस्था। मेहंदी स्टॉल, राजस्थानी परिधानों की प्रदर्शनी और खास फोटो बूथ, जहां यूरोपियन मेहमान राजस्थानी वेशभूषा में तस्वीरें ले सकेंगे। भारत-माल्टा के कूटनीतिक रिश्तों की 60वीं वर्षगांठइस आयोजन का एक और ऐतिहासिक महत्व यह है कि 10 मार्च 2025 को भारत और माल्टा के कूटनीतिक संबंधों के 60 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर यह समारोह दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा। धोली मीणा की इस पहल से राजस्थान की संस्कृति को वैश्विक मंच मिल रहा है, जो हर प्रवासी राजस्थानी के लिए गर्व की बात है।

राज्य सरकार ने प्रदेश में विकास के नए प्रतिमान किए स्थापित : जोगाराम पटेल

जयपुर, । राजस्थान दिवस महोत्सव के तहत हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन अकादमी के भगवत सिंह मेहता सभागार में शुक्रवार को जिला स्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव का आयोजन हुआ। जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में विकास के नए आयाम और सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित किये हैं। यही कारण है कि राज्य सरकार ने डेढ़ साल से भी कम समय में जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने का काम किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हमारी गौरवशाली परंपरा एवं संस्कृति को एक बार फिर से अपना यथोचित सम्मान दिलाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि 30 मार्च 1949 को चार बड़ी रियासतों का विलय संयुक्त राजस्थान में किया गया था। वृहद राजस्थान के गठन उपलक्ष्य में हम राजस्थान दिवस मनाते हैं, वह भारतीय नववर्ष की तिथि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग की शुभ घड़ी में अस्तित्व में आया था। सौभाग्य से इस बार भी वही शुभ संयोग बन रहा है। इस साल से मुख्यमंत्री जी ने अब से हिन्दु नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाये जाने का अभूतपूर्व एवं लोकप्रिय फैसला लिया है।

वहीं, नगर निगम जयपुर हैरिटेज की महापौर कुसुम यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की तस्वीर में विकास के रंग भरने का काम कर रही है। सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों से हर तबके, हर वर्ग को राहत पहुंची है।

भीलवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया, जिला स्तरीय कार्यक्रम में मौजूद किसानों और जनप्रतिनिधियों ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देखा। सुशासन समारोह में जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने जयपुर जिले के पंच गौरव पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया एवं राजकीय योजनाओं के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कार्मिकों को सम्मानित किया गया। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के लाभार्थियों को योजना के तहत अंतिम किश्त का चेक भी सौंपा गया। कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त पूनम, जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, नगर निगम जयपुर हैरिटेज के आयुक्त अरुण कुमार हसीजा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड के साथ-साथ नगरीय विकास विभाग, सांख्यिकी विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों, लाभार्थियों ने शिरकत की।

राजस्थान सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध : शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी जेलों को मजबूत एवं आधुनिक बनाने के लिए जेल विभाग को आवश्यकता अनुरूप सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

यह बैठक जयपुर केन्द्रीय कारागार में बंद बदमाशों द्वारा उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को जान से मारने की धमकी दिए जाने के बाद आयोजित की गई। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। शर्मा ने जेल विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि जेल परिसर में अपराधियों द्वारा मोबाइल फोन इस्तेमाल की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई करते हुए प्रदेश की सभी जेलों में पुलिस और मजिस्ट्रेट द्वारा नियमित एवं औचक तलाशी अभियान संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि जेलों में अवांछित सामग्री मिलने पर संबंधित जेल प्रशासन के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने संभल में किया तांत्रिक गिरोह का भंडाफोड़, धोखाधड़ी और शोषण के आरोप में 14 गिरफ्तार

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल में लोगों को तांत्रिक अनुष्ठानों के जरिए 'धन वर्षा' का झांसा देकर ठगने और महिलाओं तथा लड़कियों का यौन शोषण करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि एटा, आगरा और फिरोजाबाद में पिछले सात-आठ वर्षों से सक्रिय इस गिरोह के 14 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मामला 21 मार्च को तब सामने आया जब राजपाल नामक व्यक्ति धनारी पुलिस स्टेशन पहुंचा। विश्नोई ने कहा, राजपाल ने हमें बताया कि एक समूह उसे तांत्रिक अनुष्ठान के बहाने किसी अज्ञात स्थान पर ले गया था। वह बड़ी मुश्किल से जान बचा कर वहां से भाग निकला है। राजपाल की शिकायत के बाद पुलिस ने अपहरण और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि गिरोह नकदी से भरे कमरों के फर्जी वीडियो दिखाकर लोगों को लालच देता था और कथित अलौकिक साधनों के जरिए उन्हें पांच करोड़ से 35 करोड़ रुपए तक वापस देने का वादा करता था। पुलिस ने बताया कि वित्तीय धोखाधड़ी के अलावा गिरोह के लोग अनुष्ठान के बहाने महिलाओं और युवतियों का यौन शोषण भी करते थे।

किसानों का डेटा राज्यों के पास सुरक्षित : चौहान

इससे उन्हें योजनाओं का लाभ उठाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को आश्वासन दिया कि किसानों का डेटा राज्यों के पास पूरी तरह सुरक्षित है और सरकार ने इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कृषि मंत्री ने कहा कि डिजिटल डेटा किसानों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ उठाने और कई योजनाओं के तहत दी जाने वाली सेवाओं तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाएगा।

चौहान ने भाजपा सदस्य ब्रजलाल के पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''मैं सदन और किसानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इन आंकड़ों का इस्तेमाल केवल विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ लेने और सेवाओं तक पहुंच बनाने के लिए किया जाएगा। इससे भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि इससे फसल बीमा योजनाओं के तहत दावों के निपटान में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसानों का डेटा उनकी सहमति के बिना साझा नहीं किया जा सकता। चौहान ने कहा कि मोदी सरकार किसानों को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी आय बढ़ाने के लिए 2014 से कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान योजना के तहत किसानों को सालाना 6,000 रुपए मिलते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने वार्षिक कृषि ऋण लक्ष्य को बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दिया है, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में उल्लेखनीय वृद्धि की है तथा रिकॉर्ड खाद्यान्न खरीद भी की है। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए निर्यात-आयात नीतियां भी हैं।

पूर्णिया में स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से अनुमति लिए बिना अवैध रूप से बनाया छोटा पुल

पूर्णिया/भाषा। बिहार के पूर्णिया जिले में एक नदी पर अवैध रूप से एक छोटे से पुल का निर्माण रियल एस्टेट कारोबारियों ने कथित तौर पर कराया है, ताकि आसपास के भूखंडों की कीमतें बढ़ाई जा सकें। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूर्णिया जिले के अधिकारियों ने कारी कोसी नदी पर बनाए गए लगभग 60 फुट लंबे और 10 फुट चौड़े उक्त ढांचे को गिराने का आदेश दिया है। पूर्णिया के नगर आयुक्त कुमार मंगलम ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''हां, यह सच है कि रहमत नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 में कारी कोसी नदी पर एक छोटा पुल (लगभग 60 फुट लंबा और 10 फुट चौड़ा) बना है। यह सक्षम प्राधिकार की सहमति के बिना निजी व्यक्तियों द्वारा बनाया गया है। यह क्षेत्र पूर्णिया नगर निगम (पीएमसी) के अधिकार क्षेत्र में आता है।'' उन्होंने कहा, ''हमने इस संबंध में जल संसाधन विभाग से भी स्पष्टीकरण मांगा है।'' उन्होंने बताया कि इस मामले में उचित कार्रवाई करने के लिए जब अधिकारियों की एक टीम बृहस्पतिवार को उक्त स्थल पहुंची, तो निहित स्वार्थ वाले लोगों के भड़काने पर स्थानीय लोगों ने विरोध किया और पीएमसी अधिकारियों को आगे की कार्रवाई करने से रोका। उन्होंने कहा, ''हम निश्चित रूप से कानूनी प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई करेंगे।''

मंत्रिमंडल ने बिहार में पटना-सासाराम गलियारा परियोजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को बिहार में 3,712.40 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली चार लेन की पटना-सासाराम गलियारा परियोजना को मंजूरी दे दी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में सासाराम, आरा और पटना के बीच संपर्क मौजूदा राज्य राजमार्गों (एसएच-2, एसएच-12, एसएच-81 और एसएच-102) पर निर्भर है और भारी भीड़भाड़ के कारण इसमें तीन-चार घंटे लगते हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने पटना से बिहार में सासाराम (120.10 किमी) तक चार-लेन वाली पटना-आरा-सासाराम गलियारा के निर्माण को मंजूरी दे दी है। परियोजना पर 3,712.40 करोड़ रुपए की कुल लागत आने का अनुमान है। इसे 'हाइब्रिड एन्युटी मोड' पर विकसित किया जाएगा। परियोजना के तहत मौजूदा पुराने राजमार्ग के 10.6 किलोमीटर के उन्नत किये जाने के साथ नया गलियारा विकसित किया जाएगा। इससे बढ़ती भीड़ को कम किया जा सकेगा और आरा, ग्राहिणी, पीरो, बिक्रमगंज, मोकर और सासाराम जैसे स्थानों में घनी आबादी वाले क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-19, 319, 922, राष्ट्रीय राजमार्ग-131 जी और राष्ट्रीय राजमार्ग-120 सहित प्रमुख परिवहन गलियारों के साथ एकीकृत होकर औरंगाबाद, कैमूर और पटना को निर्बाध संपर्क सुविधा प्रदान करेगी।

मंत्रिमंडल के फैसलों पर प्रधानमंत्री मोदी

बिहार के चौतरफा विकास के लिए हम संकल्पबद्ध हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार से जुड़ी परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से दी गई मंजूरी को रेखांकित करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह राज्य के चौतरफा विकास के लिए संकल्पबद्ध हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार की कोसी मेची अंत:राज्यीय लिंक परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (पीएमकेएसवाई-एआईबीपी) के अंतर्गत शामिल करने को मंजूरी दी। इसके साथ ही आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बिहार में पटना से सासाराम (120.10 किमी) तक 4-लेन एक्सेस कंट्रोल ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड पटना-आरा-सासाराम कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार के चौतरफा विकास के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। इसी कड़ी में आज प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत कोसी-मेची इंट्रा स्टेट लिंक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इससे जहां एक बड़े क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी मिलेगा, वहीं किसान भाई-बहनों की आय भी बढ़ेगी।'' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, ''बिहार की प्रगति को

मजबूती मिल रही है। 4-लेन ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड पटना-आरा-सासाराम गलियारे के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी बिहार के लोगों के लिए बहुत अच्छी खबर है। यह आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगा और यातायात की भीड़ को भी कम करेगा।''

आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा और भारत को इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों के विनिर्माण का एक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

खरीफ सीजन-2025 के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक फर्टिलाइजर पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी दिए जाने को उन्होंने देश के किसानों के हित में बताया और कहा कि इससे ना सिर्फ अन्नदाताओं को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध होंगे, बल्कि खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से 22,919 करोड़ रुपए के वित्त पोषण के साथ इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों की विनिर्माण योजना को दी गई मंजूरी का जिक्र करते हुए कहा कि इससे आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा और भारत को इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों के विनिर्माण का एक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों की विनिर्माण योजना के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी निवेश को आकर्षित करेगी और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी। यह नवाचार को भी प्रोत्साहित करेगा।''

प. बंगाल छोड़कर, सभी राज्य आयुष्मान भारत योजना में शामिल : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को संसद को बताया कि 26 मार्च तक, पश्चिम बंगाल को छोड़कर, देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) में शामिल कर लिया गया है। नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत से लेकर एक मार्च 2025 तक इसके तहत 8.9 करोड़ से अधिक मरीज अस्पताल में भर्ती हुए।

एक सवाल के लिखित जवाब में नड्डा ने लोकसभा को बताया कि 20 मार्च तक इस योजना के तहत मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं (एडब्ल्यूएच) के लाभार्थी परिवारों के लिए क्रमशः 10.21 लाख, 14.47 लाख और 14.76 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि एक मार्च 2025 तक 13,866 निजी और 17,091 सार्वजनिक अस्पतालों सहित 30,957 अस्पतालों को इस योजना के तहत सूचीबद्ध किया गया है। नड्डा ने कहा कि एक मार्च तक वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एबी-पीएमजेएवाई के तहत 2.21 करोड़ से अधिक मरीजों को अस्पतालों में भर्ती किया गया।

उन्होंने कहा कि एबी-पीएमजेएवाई के तहत, लाभार्थी परिवारों के लिए पात्रता मानदंड की पहचान शुरू में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न मानदंडों के आधार पर 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) से की गई थी। इसके अलावा, जनवरी 2022 में, 11.7 प्रतिशत की दशकीय वृद्धि दर के आधार पर, भारत सरकार ने लाभार्थी आधार को संशोधित कर 12 करोड़ परिवार कर दिया।

मौलाना ने सलमान खान के 'राम एडिशन' घड़ी पहनने को 'हराम' करार दिया

बरेली (उप्र)/भाषा। 'ऑल इंडिया मुस्लिम जमात' के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने फिल्म अभिनेता सलमान खान के 'राम एडीशन' घड़ी पहनने को 'हराम' करार दिया है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शुक्रवार को प्रेस को जारी एक बयान में कहा कि मुझसे सलमान खान के कृत्य पर शरियत का हुक्म पूछा गया है। उन्होंने कहा,'' मुझसे सलमान खान के कृत्य पर शरियत का हुक्म पूछा गया है, मैं उनके द्वारा किए गए कार्य के बारे में शरियत का हुक्म बताता हूं। उन्होंने राम मंदिर के प्रचार के लिए बनाई गई राम एडीशन घड़ी अपने हाथों में पहन रखी है और मुसलमान होने के नाते अपने हाथ में इस तरह की घड़ी को पहनना नाजायज और हराम है।''

मुख्यमंत्री योगी ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचकर बीमार बच्चों का कुशलक्षेम जाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां लोक बंधु राजनारायण संयुक्त अस्पताल पहुंचकर निर्वाण राजकीय बाल गृह के बीमार बच्चों से उनका कुशलक्षेम जाना और अधिकारियों को उनके उपचार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

अधिकारियों के अनुसार एक राजकीय बाल गृह में हाल में संभवत: दूषित पानी पीने से चार दिव्यांग बच्चों की मौत हो गयी और 12 से अधिक बीमार हो गये। अधिकारियों के अनुसार, ''मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे लोक बंधु राजनारायण संयुक्त अस्पताल में भर्ती बच्चों से मिलने पहुंचे। उन्होंने बच्चों से उनका हालचाल जाना, उनकी तबीयत के बारे में पूछा।''

मुख्यमंत्री ने एक बच्चे से पूछा कि तबीयत ठीक है, फिर यह भी पूछा कि पहचान रहे हो, बच्चे ने दोनों हाथ उठाकर अपनी सहमति जतायी।

अधिकारियों ने कहा, ''मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बारी-बारी से बच्चों के बिस्तर के पास गये और गंभीर स्थिति में दिख रहे बच्चों के बारे में चिकित्सकों से भी जानकारी प्राप्त की।'' जब मुख्यमंत्री एक बच्चे के बिस्तर के पास पहुंचे तो उसे मुस्कुराते देखा गया। मुख्यमंत्री योगी ने बच्चे से कहा कि बैठ जाओ जिसके बाद वह बैठ गया। मुख्यमंत्री ने उसका नाम पूछा और प्रोत्साहित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बच्चों के उपचार में लगे चिकित्सकों की टीम से भी बातचीत की।

योगी के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे। एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों तथा अधिकारियों को बच्चों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के निर्देश दिए और उनके स्वास्थ्य के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने के लिए भी कहा।

ममता बनर्जी 2060 तक भारत के शीर्ष अर्थव्यवस्था बनने पर असहमत

भाजपा ने लिया आड़े हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/लंदन/भाषा। ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर गईं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस भविष्यवाणी से असहमति जताई कि भारत 2060 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

ममता बनर्जी की इस टिप्पणी पर पश्चिम बंगाल की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी कड़ी आलोचना की है और उन पर विदेशी धरती पर देश की छवि खराब करने का आरोप लगाया है।

बनर्जी ने बृहस्पतिवार देर रात ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के केलॉग कॉलेज में एक वार्ता के दौरान यह टिप्पणी की।

केलॉग कॉलेज में साक्षात्कारकर्ता ने उनसे कहा कि भारत पहले ही ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अनुमान है कि जल्द ही यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। साक्षात्कारकर्ता ने कहा कि पूर्वानुमान है कि यह दक्षिण एशियाई देश 2060 तक वैश्विक आर्थिक रैंकिंग में शीर्ष पर होगा।

बनर्जी ने इसके जवाब में कहा, ''मैं इससे असहमत हूं। ऐसी कई चीजें हैं जिनके बारे में मुझे यहां नहीं बोलना चाहिए... आंतरिक और बाहरी मामले... मैं इसका खुलासा नहीं कर

सकती। मेरी कुछ अन्य राय हैं।'' उन्होंने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा, ''चूंकि कोविड-19 के बाद हर देश परेशानी का सामना कर रहा है और दुनिया में उथल-पुथल मची है... अगर दुनिया में आर्थिक युद्ध जैसी स्थिति चल रही है, तो हम कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि हमें लाभ होगा? आइए हम लाभ की उम्मीद करें, हम केवल उम्मीद ही कर सकते हैं। अपने देश को सर्वश्रेष्ठ देखना हमारा सपना है। लेकिन यह निर्भर करता है...।''

भाजपा नेताओं ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो बनर्जी की टिप्पणी की आलोचना करते हुए उन पर विदेशी धरती पर भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बनर्जी की राय से असहमति जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की टिप्पणी उनके पद का ''अपमान'' है। उन्होंने कहा, ''भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है! फिर भी, ममता बनर्जी विदेशी धरती पर भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल कर रही हैं।''

मजूमदार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''उनकी भारत-विरोधी बयानबाजी न केवल हर भारतीय के लिए शर्मनाक है, बल्कि उनके संवैधानिक पद का भी अपमान है। यह स्पष्ट है कि आप एक मुख्यमंत्री के रूप में विफल रही हैं, लेकिन क्या आपको खुद को भारतीय कहने में भी संकोच होता है? क्या आप वास्तव में भारतीय हैं? विदेशी धरती पर राष्ट्र का अपमान करना भारत का खुलेआम विरोध करने के समान है।''

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी बनर्जी के रुख की आलोचना की और 'एक्स' पर उनकी टिप्पणियों का एक वीडियो क्लिप साझा किया। उन्होंने लिखा, ''पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारत के दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से परेशानी है। यह वाकई शर्मनाक है। यह उनके संवैधानिक पद के लिए भी अपमान की बात हैं। विदेशी धरती पर कौन इस तरह का व्यवहार कर सकता है?''

ममता बनर्जी 'भारत को बदनाम करने वाले समूह' का हिस्सा बन गयी हैं : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर ब्रिटेन के केलॉग कॉलेज में उनके भाषण के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर निशाना साधा और उन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ ''भारत को बदनाम करने वाले समूह'' का हिस्सा बनने का आरोप लगाया।

बनर्जी को अपने भाषण के दौरान विरोध और व्यवधान का सामना करना पड़ा, क्योंकि श्रोताओं के एक वर्ग ने उनसे आरजी कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ बलात्कार और हत्या मामले समेत पश्चिम बंगाल के विभिन्न मुद्दों पर सवाल पूछे थे। भाजपा के आरोप पर तृणमूल कांग्रेस या बनर्जी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि कॉलेज में एक कार्यक्रम के दौरान श्रोताओं ने उनसे तीखे सवाल पूछकर उन्हें आईना दिखाया, जिनमें आरजी कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा के बलात्कार और हत्या मामले से संबंधित सवाल भी शामिल था।

नकदी बरामदगी विवाद के बीच

सरकार ने न्यायमूर्ति वर्मा के स्थानांतरण की अधिसूचना जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने की अधिसूचना जारी कर दी। विधि मंत्रालय ने यह अधिसूचना न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास से कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी मिलने को लेकर उठे विवाद के बीच जारी की है।

उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने सोमवार को न्यायमूर्ति वर्मा के स्थानांतरण की सिफारिश करते हुए कहा था कि यह कदम 14 मार्च को होली की रात आग लगने की घटना के बाद उनके आवास से कथित तौर पर नकदी मिलने के संबंध में शीर्ष अदालत द्वारा आदेशित आंतरिक जांच से अलग है। उच्चतम न्यायालय द्वारा सोमवार को दिये गए प्रस्ताव में कहा गया, ''उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 20 और 24 मार्च, 2025 को हुई अपनी बैठकों में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने की सिफारिश की है।'' उच्चतम न्यायालय ने 21 मार्च को कहा था कि दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आंतरिक जांच शुरू की है और उन्हें स्थानांतरित करने का एक अलग प्रस्ताव है।

बताया गया कि न्यायमूर्ति उपाध्याय ने 20 मार्च को उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम की बैठक से पहले ही जांच शुरू कर दी थी। नकदी की कथित बरामदगी 14 मार्च की रात करीब 11.35 बजे वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में आग लगने के बाद हुई। इसके बाद, प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम और दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति वर्मा से न्यायिक कार्य वापस लेने समेत कई निर्देश जारी किए। न्यायमूर्ति वर्मा ने स्पष्ट रूप से इस बात से इनकार किया है कि उनके या उनके परिवार के किसी सदस्य द्वारा उनके आवासीय परिसर के स्टोर रूम में कोई नकदी रखी गई थी। साथ ही उन्होंने इस बात दावे का भी खंडन किया कि कथित नकदी उनकी थी।

शिखर धवन से मिली सीख ने मेरे खेल को बदल दिया: आशुतोष शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। दिल्ली कैपिटल्स के आक्रामक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन से मिली सीख के लिए हमेशा आभारी रहेंगे। घरेलू क्रिकेट में रेलवे का प्रतिनिधित्व करने वाले 26 साल के आशुतोष ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल की सबसे यादगार पारियों में से एक खेलते हुए 31 गेंद पर नाबाद 66 रन बनाकर टीम को आखिरी ओवर में एक विकेट की रोमांचक जीत दिलायी। जीत के लिए 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम ने 65 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे।

आशुतोष ने पांच चौके और पांच छक्के की मदद से नाबाद पारी खेल दिल्ली कैपिटल्स को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस जीत के बाद आशुतोष ने अपना 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार धवन को समर्पित करते हुए इस खब्बू बल्लेबाज के उनके करियर पर पड़ने वाले प्रभाव को स्वीकार किया। आईपीएल की पिछली नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने आशुतोष को 3.8 करोड़ रुपए की बोली के साथ टीम में चुना। वह इससे पहले आईपीएल में जब पंजाब किंग्स का हिस्सा बने थे तब उनकी मुलाकात पहली बार धवन से हुई थी। धवन के रूप में उन्हें साथी के साथ एक ऐसा मार्गदर्शक भी मिला, जिसने खेल के प्रति उनके दृष्टिकोण पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला। आशुतोष ने शुक्रवार को 'जियो स्टार- दिल्ली कैपिटल्स प्रेस रूम' में कहा, '' वह (धवन) मेरी पारी से बहुत खुश थे। वह हमेशा मुझे विनम्र रहने के लिए कहते हैं। उन्होंने मुझे कौशल के बारे में बहुत कुछ नहीं सिखाया है, लेकिन जीवन, मानसिकता और खेल के प्रति दृष्टिकोण पर उनके सबक ने मेरे जीवन को बहुत बदल दिया है।'' उन्होंने कहा कि पंजाब किंग्स की टीम का हिस्सा रहते हुए धवन ने उनका मार्गदर्शन किया था।

बल्लेबाजों के बेखौफ खेल से पावरप्ले में बन रहे हैं बड़े स्कोर : पार्थिव पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने शुक्रवार को कहा कि बल्लेबाजों में खौफ नहीं होने से इंडियन प्रीमियर लीग में पावरप्ले के दौरान बड़े स्कोर बन रहे हैं ।

भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि उनके खेलने के दिनों में आईपीएल टीमों का पावरप्ले में स्कोर 45 रन के आसपास रहता था और साइडआर्म थ्रो विशेषज्ञों ने भी बल्लेबाजों की रफ्तार से सामंजस्य बिठाने में मदद की है । मुंबई इंडियंस के खिलाफ शनिवार को होने वाले मैच से पहले मीडिया से बातचीत में पटेल ने कहा ,'' इसमें कोई शक नहीं । रणनीति बहुत बड़े स्तर पर बनाई जाती है । कुछ साल पहले जब मैं खेल रहा था तब पावरप्ले का स्कोर 45 के आसपास अच्छा माना जाता था ।'' उन्होंने कहा ,'' उसके बाद 50 और फिर 55 से 60 तक हो गया । इसके बावजूद हालात को भी देखना पड़ता है । अगर आप चेन्नई में खेल रहे हैं तो 150 अच्छा स्कोर है और वहां टीम से पावरप्ले में 70 या 80 रन की उम्मीद नहीं की जाती ।''

सुविचार

कर्म करते हुए हमेशा आगे बढ़ते रहिये और फल के लिए व्यर्थ चिंता नहीं करिए और किया हुआ परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठ पर अंकुश लगाएं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह कहकर देश की प्रवासन नीति बहुत ही आसान शब्दों में बयान कर दी कि 'भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी जब चाहे, यहां आकर रह जाए।' बेशक देश को यह अधिकार है कि वह यहां आने वाले हर व्यक्ति की जांच-पड़ताल करे। इस बात का हिसाब रखने में क्या बुराई है कि जो लोग सरहद पार से यहां आएं, उनकी सही-सही तादाद कितनी है? पुराने ज़माने में धर्मशालाओं में रुकने के नियम बहुत आसान रहे होंगे। अब कोई व्यक्ति धर्मशाला में एक घंटा भी आराम करना चाहे तो उससे पूछताछ की जाती है, पहचान संबंधी दस्तावेज लिया जाता है और वापसी का समय भी लिखा जाता है। अगर कोई व्यक्ति वीजा-पासपोर्ट के साथ जायज तरीके से इधर आता है और भारत की बेहतरी के लिए योगदान देता है तो उस पर किसी को आपत्ति नहीं है। समस्या उन लोगों के आने से पैदा होती है, जो कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करते और घुसपैठ कर यहां के संसाधनों का उपभोग करते हैं। उनमें से कई तो आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हो जाते हैं। कौनसा राज्य है, जहां बांग्लादेशी या रोहिंग्या नहीं मिलते? इनके तो ऐसे हिमायती सक्रिय हैं, जो अदालतों में जाकर इन्हें तमाम सुविधाएं दिलाने के लिए सरकार पर दबाव डालते हैं! भले ही देश के नागरिक मूलभूत सुविधाओं को तरसें, लेकिन घुसपैठियों के कल्याण में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। यह दुर्भाग्य का विषय है कि जब कभी सरकार ऐसे घुसपैठियों के खिलाफ सख्ती दिखाने की बात करती है, कुछ कथित बुद्धिजीवी तुरंत मोर्चा संभाल लेते हैं। ये इनके पक्ष में बड़ी भावुक दलील देते हैं कि 'हम तो बड़े उदार लोग हैं, हमने बड़ा दिल दिखाते हुए सबके लिए दरवाजे खोले हैं, अगर हम सख्त रवैया अपनाएंगे तो दुनिया क्या कहेगी?' अगर हम उदार हैं तो क्या पूरी दुनिया को न्योता दे दें?

दुनिया में मानवाधिकारों का सबसे ऊंचा राग अलापने वाला अमेरिका अपनी जमीन पर घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं कर रहा। वह ऐसे लोगों को जंजीरों में जकड़कर स्वदेश रवाना कर रहा है। यह बिल्कुल अनुकूल समय है, जब भारत को घुसपैठियों के मामले में खूब सख्ती दिखानी चाहिए। हमारे देश में घुसपैठियों का मुद्दा दशकों से चर्चा में है। क्या कभी सोचा है कि ये यहां आने के लिए इतने लालायित क्यों रहते हैं? इसकी एक वजह यह है कि इधर इन्हें रोजगार के मामले में काफी आसानी होती है। अगर कोई बांग्लादेशी घुसपैठिया यहां आकर फेरी लगाते हुए महीने के 10,000 रुपए भी कमा ले तो 14,209 टका बनते हैं। हालांकि यही एक वजह नहीं है। घुसपैठिए भलीभांति जानते हैं कि भारत में फर्जी दस्तावेज बनवाना आसान है। इससे पकड़े जाने का जोखिम कम होता है। मुफ्त का राशन और अन्य सुविधाएं मिलेंगी सो अलग! अगर कभी पकड़े गए तो ऐसे कथित बुद्धिजीवियों की कमी नहीं है, जो 'क्रांति का झंडा' उठा लेंगे। अगर किसी तरह मतदाता सूची में नाम जुड़वा लिया तो मौज ही मौज! उस सूरत में कुछ राजनीतिक दल और नेतागण अपना वोटबैंक बना लेंगे। पांच-दस साल निकल गए, सभी प्रमुख दस्तावेज बन गए, कहीं झुग्गी या पक्का मकान बना लिया, कुनबा बड़ा हो गया, स्थानीय राजनीति को थोड़ा-बहुत प्रभावित करने की क्षमता आ गई तो कौन निकालेगा? कठोर दंड का भय न होने से ही घुसपैठियों के हौसले बुलंद हैं। क्या वजह है कि बांग्लादेशी, रोहिंग्या और तमाम घुसपैठिए चीन का रुख नहीं करते? चीन तो आर्थिक दृष्टि से बहुत संपन्न देश है। वहां रोजगार के मौके ज्यादा हैं। लोगों का जीवन स्तर बेहतर है। दरअसल चीन अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बहुत सतर्क रहता है। वहां घुसपैठ संबंधी मामलों में कार्रवाई तेज और कठोर होती है। अगर किसी घुसपैठिए पर जासूसी या तस्करी का आरोप साबित हो जाए तो मृत्युदंड दे दिया जाता है। घुसपैठियों के मददगारों को जेल में डालकर बहुत भारी जुर्माना लगाया जाता है। याद रखें, घुसपैठियों के प्रति स्नेह और ममता दिखाने वाले यूरोपीय देश आज गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। क्या उनके अनुभव अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा पर विचार करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं?

ट्वीटर टॉक

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री हरिदेव जोशी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। राजस्थान के विकास में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहे जोशी जी ने आदिवासी क्षेत्रों की खुशहाली के लिए अतुलनीय योगदान दिया।

-अशोक गहलोत

आज मुख्यमंत्री निवास पर गृह विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने, नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने हेतु निर्देशित किया।

-भजनलाल शर्मा

आज आपके विशाल दर्शक समूह को भी अंदाजा होगा कि कैसे हम एस्पिरेशन से अचीवमेंट तक पहुंचे हैं। एक दशक पहले जब गांव में टॉयलेट का सवाल आता था तो माताओं-बहनों के पास रात ढलने के बाद और भोर होने से पहले का ही जवाब होता था।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

संघर्ष से सामर्थ्य

महाभारत युद्ध में गुरु द्रोणाचार्य और उनके शिष्य अर्जुन आमने-सामने थे। अर्जुन अपनी पूरी क्षमता और कौशल के साथ अपने गुरु पर हमले कर रहे थे। द्रोणाचार्य लड़खड़ा रहे थे। अर्जुन पूरे जोश के साथ आगे बढ़ता जा रहा था। यह दृश्य सबको हैरत में डाल रहा था। दूसरी ओर कौरवों के हौसले पस्त हो रहे थे। तभी कौरवों में से एक-दूसरे से प्रश्न किया यह क्या हो रहा है? अर्जुन ने जिस व्यक्ति से सब कुछ सीखा, उसे वह मात दे रहा है। यह कैसे संभव है? यह बात द्रोणाचार्य ने सुन ली। उन्होंने उनकी दुविधा दूर करते हुए कहा, 'मुझे लंबा समय राजाश्रम की सुख-सुविधाएं भोगते हुए हो गया, जबकि अर्जुन निरंतर कठिनाइयों से जूझता रहा है। सुविधा-संपन्न व्यक्ति अपना सामर्थ्य गंवा बैठता है और संघर्षशील व्यक्ति की क्षमता निरंतर बढ़ती जाती है। जीवन तभी तक धारदार रहता है जब तक वह प्रतिरोधों और चुनौतियों की सान पर चढ़ा रहता है। कठिनाइयां समाप्त होने पर व्यक्ति आलस्य का शिकार हो जाता है। छोटे से भी विरोध और व्यवधान का सामना करने में वह स्वयं को नितांत असमर्थ पाता है। वह जीवन में कभी विजय नहीं प्राप्त कर सकता।

सामयिक

जीवन को परिभाषित करने तक ही प्रधानमंत्री मोदी उपदेश नहीं देते, अपितु उन्होंने भारत के जीवन को बदलने एवं जीवनस्तर को ऊंचा उठाने के कार्यक्रम दिए हैं जिनमें बूढ़े, बच्चे, महिलाएं, युवा सब होते हैं, वे उनसे सीधा सम्पर्क करते हैं एवं उन्हें दिशाबोध देते हैं। अब संयुक्त राष्ट्र ने मोदी के कार्यों एवं योजनाओं को अनुकरणीय एवं अनूठा माना है तो इससे देश का सीना तना है, गर्व से ऊंचा हुआ है। आपने साल का वृक्ष देखा होगा- काफी ऊंचा!

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफ़ादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है।

मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है।

मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

बच्चों की बढ़ती आबादी के साथ नित नई चुनौतियाँ भी बढ़ेंगी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए बच्चों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास में अधिक निवेश करना बहुत जरूरी है। जलवायु परिवर्तन से जुड़े खतरों से बहुत अधिक गर्मी, बाढ़, जंगल में आग और चक्रवात जैसी घटनाओं में आठ गुना वृद्धि होने का अनुमान है और इनका सीधा असर बच्चों पर पड़ेगा। निश्चित ही मोदी सरकार इन चुनौतियों से लड़ने में सक्षम है। एक अच्छा लीडर किसी चीज का ब्लेम थोड़ा ज्यादा लेता है और क्रेडिट लेने के मामले में पीछे रहता है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। इतिहास अक्सर किसी आदमी से ऐसा काम करवा देता है, जिसकी उम्मीद नहीं होती। और जब राष्ट्र की आवश्यकता का प्रतीक कोई आदमी बनता है तब भले ही उसकी प्रशंसा क्यों न हो, उसका कद स्वतः बढ़ जाता है। मोदी ने इस युग को वह दिया जिसकी उसे जरूरत है, वह नहीं जिसकी कि वह प्रशंसा करे।

जीवन को परिभाषित करने तक ही प्रधानमंत्री मोदी उपदेश नहीं देते, अपितु उन्होंने भारत के जीवन को बदलने एवं जीवनस्तर को ऊंचा उठाने के कार्यक्रम दिये हैं जिनमें बूढ़े, बच्चे, महिलाएं, युवा सब होते हैं, वे उनसे सीधा सम्पर्क करते हैं एवं उन्हें दिशाबोध देते हैं। अब संयुक्त राष्ट्र ने मोदी के कार्यों एवं योजनाओं को अनुकरणीय एवं अनूठा माना है तो इससे देश का सीना तना है, गर्व से ऊंचा हुआ है। आपने साल का वृक्ष देखा होगा- काफी ऊंचा! शील का वृक्ष भी देखें- जो जितना ऊंचा है उससे ज्यादा गहरा है। आखिर इस गहराई को मापने वाले संयुक्त राष्ट्र का आभार। जो भी कोई मूल्य स्थापित करता है, जो भी कोई पात्रता पैदा करता है, जो भी कोई सृजन करता है, जो देश का गौरव बढ़ाता है, जो देश की ज्वलंत समस्याओं एवं त्रासदियों से मुक्ति दिलाता है, जो गीतों में गाया जाता है, उसे सलाम। मोदी के मजबूत इरादों एवं मनोबल को सलाम।

नजरिया

शक्ति, साधना और सिद्धि का महोत्सव है नवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

भारतीय समाज में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरुआत 30 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 6 अप्रैल को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। ब्रह्मचारिणी' अर्थात तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति

के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्ज्वल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है 'कात्यायनी'। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप 'कालरात्रि' है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्ज्वल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

किसी घुसपैठिए के लिए भारत 'खाला' का घर नहीं होगा: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'आप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक,2025' पर शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि किसी घुसपैठिए के लिए भारत अब 'खाला' (मौसी) का घर नहीं होगा। मौर्य ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा कि अवैध तरीके से घुसपैठ करने वाले किसी घुसपैठिए के लिए भारत अब कोई 'खाला' का घर नहीं होगा। उपमुख्यमंत्री ने इसी पोस्ट में कहा, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में नए भारत की नई आव्रजन नीति ने अंग्रेजों के जमाने के आव्रजन संबंधी कानून का चोला उतार दिया है। नए भारत की नई आव्रजन नीति देश के लिए गौरव की बात है। मौर्य ने कहा, ''माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी इसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए बधाई के पात्र हैं। राष्ट्र की सुरक्षा के लिए यह बहुत जरूरी था। घुसपैठ कराने वाले विपक्षी दल इस नई नीति से हक्का-बक्का रह गए हैं।'' केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को लोक सभा में आप्रवास और विदेशियों से संबंधित विधेयक, 2025 पर चर्चा का जवाब दिया।

लोकतंत्र के तीनों स्तंभ साथ काम करते हैं तो सुशासन स्थापित करने में मदद मिलती है: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि जब लोकतंत्र के तीनों स्तंभ (विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका) मिलकर काम करते हैं तो सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलती है।

यहां विधान भवन में आयोजित राज्य स्तरीय 'विकसित भारत युवा संसद महोत्सव-2025' के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बात कही। उन्होंने कहा, ''भारत ने लोकतंत्र की जिस विधा को अपनाया है वह संसदीय लोकतंत्र है। इसके तीन स्तंभ-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका हैं। इन तीन स्तंभों से ही देश की सारी व्यवस्था का संचालन होता है।''

योगी ने कहा, ''जब तीनों (स्तंभ) मिलकर काम करते हैं तो सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलती है। इसीलिए युवा संसद का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति आज से शुरू कर दे कि हमें तो नेता ही बनना है। नेता का मतलब जीवन के किसी भी क्षेत्र में नेतृत्व का गुण विकसित होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि अगर कहीं कोई शिकायत है तो जनता के पास कार्यपालिका और न्यायपालिका के मंच भी उपलब्ध हैं और यह व्यवस्था लोकतंत्र की ताकत है।

युवाओं को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, ''आप विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका के जरिये भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। इन क्षेत्रों में लीक से अलग हटकर जब कुछ करते हैं तो वही प्रेरणादायी बन जाती है।''मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब हम लकीर का फकीर बनते हैं और अपने कार्य से मुंह चुराते हैं तो वही हमारे पराभव का कारण बनता है, जब हम लीक से हटकर कुछ नया करते हैं, कुछ अच्छा करने का प्रयास करते हैं तो वह समाज के लिए प्रेरणा बनता है। लोग उसे हाथों हाथ लेकर जब सम्मान देते हैं तभी नेतृत्व का बोध होता है।''

इससे पहले योगी ने युवा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, ''मैं सबसे पहले आप सभी का देश की सबसे बड़ी विधायिका में हृदय से स्वागत और अभिनंदन करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''भावी भारत में युवाओं की भूमिका के निर्धारण के लिए प्रधानमंत्री जी का प्रेरणादायी मार्गदर्शन मिल रहा है। इसी को ध्यान में रखकर 2019 से युवा संसद के इस नये संकल्प को आगे बढ़ाने का कार्य शुरू हुआ है।''

सभी एआई ऐप सुरक्षित नहीं हैं: साइबर सलाह

नई दिल्ली/भाषा। भारत की संघीय साइबर सुरक्षा एजेंसी ने सलाह दी है कि सभी कृत्रिम मेधा (एआई) ऐप सुरक्षित नहीं हैं और इनके लिए 'साइन अप' करने वाले उपयोगकर्ताओं को एक ऐसे अनाम खाते का उपयोग करने पर विचार करना चाहिए, जो उनकी व्यक्तिगत या व्यावसायिक पहचान से जुड़ा न हो। भारतीय इंटरनेट क्षेत्र की सुरक्षा और साइबर हमलों से निपटने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी शाखा, भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) ने अपने परामर्श में एआई डिजाइन, उसके प्रशिक्षण और इंटरेक्शन तंत्र में 'जोखिमों' को रेखांकित किया है।

नवीनतम परामर्श में जिन जोखिमों की बात की गई है, उनमें डेटा पाइजनिंग, एडवर्सियल अटैक, मॉडल व्युत्क्रमण जैसे तकनीकी मुद्दे शामिल हैं।

परामर्श में कहा गया है, ''सभी एआई ऐप सुरक्षित नहीं हैं।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई, नवाचार की पहचान बन गया है, जिसने स्वास्थ्य सेवा से लेकर संचार तक के उद्योगों में क्रांति ला दी है और इसका उपयोग पारंपरिक रूप से मनुष्यों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को संभालने के लिए तेजी से किया जा रहा है। परामर्श में कहा गया, ''जैसे-जैसे एआई अधिक उन्नत होता जा रहा है, उससे जुड़े जोखिम भी बढ़ रहे हैं। 'डेटा प्रोसेसिंग' और 'मशीन लर्निंग मॉडल' में खामियों का फायदा उठाते हुए एआई एप्लीकेशन को निशाना बनाकर कई हमले किए जा रहे हैं।

अवॉर्ड्स

अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और उनके बेटे यशवर्धन मुंबई में पिंकविला स्क्रीन एंड स्टाइल आइकन अवॉर्ड्स के लिए पहुंचे।

फिल्म 'रेड 2' का टीजर रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन की आने वाली फिल्म 'रेड 2' का टीज़र रिलीज़ हो गया है। फिल्म रेड 2 में अजय देवगन की मुख्य भूमिका है। राजकुमार गुप्ता के निर्देशन में बन रही यह फिल्म वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म रेड की सीक्वल है। फिल्म रेड बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब रेड 2 सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।'रेड 2' में अजय देवगन फिर से दृढ़ निश्चयी आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक की भूमिका में नज़र आएंगे।टीज़र से पता चलता है कि पटनायक फिर से एक्शन में हैं और इस बार उनका लक्ष्य एक बहुत बड़ा और अधिक खतरनाक दादाभाई नामक एक शक्तिशाली राजनीतिक व्यक्ति से है जिसका किरदार रितेश देशमुख ने निभाया है।

टीज़र की शुरुआत सौरभ शुक्ला के नाटकीय वर्णन से होती है, जो फिल्म रेड 2 में खलनायक के रूप में अपनी रेड वाली भूमिका को दोहराते हैं, जो सोचते हैं कि पटनायक अब किसकी ज़िंदगी को दुखी कर रहे हैं। इसके बाद रितेश देशमुख के किरदार दादाभाई को दिखाया गया है। फिल्म रेड 2 में वाणी कपूर, रजत कपूर, सुप्रिया पाठक, अमित सियाल और अन्य कलाकार भी हैं। फिल्म रेड 2 का निर्माण टी-सीरीज़ और पैनोरमा स्टूडियो के बैनर तले भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार किया है। राज कुमार गुप्ता निर्देशित 'रेड 2' एक मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

फिल्म 'ग्राउंड जीरो' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो का नया पोस्टर रिलीज़ कर दिया गया है। फिल्म ग्राउंड जीरो के निर्माता एक्सेल एंटरटेनमेंट ने इस फिल्म का नया पोस्टर रिलीज कर दिया है, जो फिल्म की एक और दमदार झलक पेश करता है।

फिल्म ग्राउंड जीरो का टीज़र जल्द ही रिलीज़ किया जायेगा। पिछले 50 सालों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सबसे जबरदस्त ऑपरेशनों में से एक से प्रेरित फिल्म ग्राउंड जीरो में इमरान हाशमी बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे के रोल में दिखेंगे। फिल्म में वह दो साल तक चली एक हाई-प्रोफाइल नेशनल सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन को लीड करते नजर आएंगे।

नये पोस्टर में इमरान का जबरदस्त बैटल-रेडी लुक सामने आया है जिसमें वह हथियार थामे, जबरदस्त इंटेंस एक्सप्रेशन के साथ नजर आ रहे हैं। ग्राउंड जीरो, का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है। तेजस देओस्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हान बगाती, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय ने को-प्रोड्यूस किया है। फिल्म ग्राउंड जीरो आगामी 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

हमेशा से सनी देओल के बहुत बड़े फैन रहे हैं रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के एक्शन हीरो रणदीप हुड्डा का कहना है कि वह हमेशा से माचो हीरो सनी देओल के बहुत बड़े फैन रहे हैं। अपने दमदार अभिनय के लिए रणदीप हुड्डा, निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी की एक्शन-थ्रिलर जाट में सनी देओल के साथ एक ज़बरदस्त आमना-सामना करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म के ट्रेलर रिलीज़ के बाद से ही रणदीप की दमदार और प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों से खूब सराहना मिल रही है, खासतौर पर सनी देओल के साथ उनकी जोड़ी को लेकर। रणदीप के लिए यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक बेहद खास अनुभव है। वह बचपन से ही सनी देओल के बड़े फैन रहे हैं और स्कूल के दिनों में अपने दोस्तों के साथ उनकी पोस्टर्स अलमारी में लगाकर उनसे प्रेरणा लिया करते थे। रणदीप ने कहा,मैं हमेशा से सनी देओल का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। बचपन में हम उनकी ज़बरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस, उनकी एनर्जी और उनकी फिटनेस से प्रभावित होते थे। मुझे आज भी याद है कि हम अपने स्कूल हॉस्टल की अलमारी में उनके पोस्टर्स चिपकाते थे और उन्हें देखकर वेट लिफ्टिंग और पुश-अप्स करने के लिए प्रेरित होते थे।जब मुझे यह फिल्म ऑफर हुई, तो मुझे सबसे ज़्यादा इस बात ने उत्साहित किया कि मैं एक अल्ट्रा-माचो एक्शन किरदार निभा रहा हूं और वह भी एक दिग्गज कलाकार सनी सर के सामने। उनकी एनर्जी और स्क्रीन पर उनकी तीव्रता के साथ मेल खाना किसी भी अभिनेता के लिए एक सपना होता है। वह सच में एक पावरहाउस हैं, और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक सम्मान और एक चुनौती दोनों है।

गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट में सनी देओल,रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा की अहम भूमिका है। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस को अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने शानदार ढंग से तैयार किया है।थमन एस का जोशीला संगीत और ऋषि पंजाबी की शानदार सिनेमैटोग्राफी फिल्म के अनुभव को और बेहतर बनाती है। नवीन नूली ने संपादन और अविनाश कोल्ला ने प्रोडक्शन डिज़ाइन किया है।

'द भूतनी' में मोहब्बत के रूप में मौनी रॉय आपको नफ़रत और प्यार दोनों से कराएगी रुबरु

मुंबई/एजेन्सी

मौनी रॉय इस अप्रैल आपको डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं! उनकी अगली बड़ी फिल्म 'द भूतनी' 18 अप्रैल को रिलीज़ होगी, जो उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फ़िल्मों में से एक है। हॉरर-कॉमेडी में मौनी ने संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे नामों सहित बहुत ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा, यह फिल्म डिजिटल क्रिएटर बेयूनिक की बॉलीवुड में डेब्यू भी करेगी। फ़िल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फ़िल्म के टाइटल का अनावरण किया था, जिसके साथ एक छोटा सा टीज़र भी जारी किया गया था, जो काफी डरावनी थी! और अब, निर्माताओं ने फ़िल्म से मौनी का लुक भी जारी कर दिया है। उनके पहले लुक के पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नज़र आ रही हैं, जिसमें और भी अधिक आकर्षक हरी आँखें हैं। उनके किरदार का नाम मोहब्बत है, लेकिन पोस्टर के साथ लिखा गया टैगलाइन'प्यार या प्रलय' आपको सिहरन पैदा कर देगी। मौनी का लुक आपको उनकी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर देगा, लेकिन साथ ही उनके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी को फिल्म 'द भूतनी' के लिए तब से ही काफी सराहना मिल रही है जब से फिल्म का पहला लुक जारी हुआ है। उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार निभाने और जोखिम उठाने के लिए नेटिज़न्स द्वारा भी सराहा जा रहा है। 'द भूतनी' की रिलीज़ के बाद, अभिनेत्री अगली बार खुदा हाफ़िज़ के निर्देशक फ़ारूक कबीर के साथ सलाकार में नज़र आएंगी। फिल्म में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी जा रही है। ऐसा लगता है कि हमें मौनी द्वारा खुद इसकी घोषणा करने का इंतज़ार करना होगा।

बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त की आनेवाली फिल्म द भूतनी से उनका पहला लुक पोस्टर रिलीज हो गया है। संजय दत्त पिछले कुछ समय से अपनी आगामी फिल्म 'द भूतनी' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।मेकर्स ने इस फिल्म से संजय दत्त का पहला लुक पोस्टर जारी किया, पोस्टर में वह 'बाबा' के रूप में नजर आ रहे हैं। संजय दत्त के अलावा इस फिल्म के स्टारकास्ट मॉनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी के पोस्टर भी जारी किए गए हैं। संजय दत्त ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर किया। साथ में पोस्ट में लिखा, जिनसे भूत, प्रेत, जिन और पिशाच भी जाएंगे डर के भाग, बाबा लगाएंगे सबकी वाट। ट्रेलर 29 मार्च को। भूतनी के लिए तैयार हो जाइए, 18 अप्रैल से सिनेमाघरों में। संजय दत्त फिल्म द भूतनी में बाबा का रोल निभाएंगे।पोस्टर में उन्हें एक पेड़ की शाखाओं से बंधा हुआ दिखाया गया है, जबकि उनके हाथ में आग की लपटों में घिरी दो तलवारें नजर आ रही हैं। फिल्म द भूतनी में मॉनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी, आसिफ खान जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया और इसका लेखन भी उन्होंने ही किया है।

'धड़क-2' के लिए उत्साहित हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी आने वाली फिल्म धड़क 2 के लिये उत्साहित हैं। बॉलीवुड में सबसे ज़्यादा मांग वाले प्रतिभाओं में से एक, सिद्धांत चतुर्वेदी कई रोमांचक फ़िल्मों की लाइनअप के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में धड़क 2 शामिल है, जो शाज़िया इक़बाल द्वारा लिखित और निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित एक रोमांटिक ड्रामा है। हाल ही में एक कार्यक्रम में सिद्धांत ने धड़क 2 के बारे में कुछ रोचक जानकारियाँ साझा कीं। फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने वाकई एक मज़बूत और ज़मीनी फ़िल्म बनाई है। आमतौर पर, मुझे शहरी भूमिकाओं के लिए संपर्क किया जाता है, लेकिन मैं यूपी के एक छोटे से शहर बलिया से आता हूँ, और यह पहली बार है जब मैं इस तरह की शैली में काम कर रहा हूँ। मैं बहुत उत्साहित हूँ ।

यह एक बेहतरीन स्क्रिप्ट है, जिसमें एक बेहतरीन सह-अभिनेत्री त्रिप्ति हैं। काश मैं और भी कुछ साझा कर पाता।यह इस साल बहुत जल्द रिलीज़ होगी। उम्मीद है कि यह सफल होगी! धड़क 2 के अलावा, सिद्धांत दिल का दरवाज़ा खोलना डार्लिंग में भी नज़र आएंगे। इसके अलावा, उनके पास संजय लीला भंसाली के साथ एक आगामी प्रोजेक्ट है, जिसका विवरण अभी गुप्त रखा गया है।

श्रद्धा कपूर बनीं न्यूट्रोजीना की नई ब्रांड एंबेसडर

मुंबई/एजेन्सी

स्किनकेयर ब्रांड न्यूट्रोजीना ने आज अपनी नई ब्रांड फिलोसॉफी 'ब्यूटी टू ए साइंस' को लॉन्च करते हुये अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाने का ऐलान किया। कंपनी ने यहां आयोजित 'ब्यूटी विद नो कॉम्प्रोमाइज' कार्यक्रम में अपने नवीनतम इनोवेशन हाइड्रो बूस्ट सनस्क्रीन, एसपीएफ 50 को लॉन्च किया। इस कार्यक्रम में श्रद्धा कपूर की मौजूदगी में 'ब्यूटी विद नो कॉम्प्रोमाइज' पर विशेषज्ञों की एक पैनल चर्चा हुई। इस चर्चा में उपभोक्ताओं द्वारा रोजमर्रा की स्किनकेयर में किए जाने वाले समझौतों पर चर्चा की गई और सोशल ट्रेंड्स के मुकाबले विज्ञान-आधारित फॉर्मुलेशन, प्रभावशीलता, और डर्मेटोलॉजिस्ट-समर्थित समाधानों को प्राथमिकता देने के महत्व को रेखांकित किया गया।

ब्रांड की नई सोच 'ब्यूटी विद ए साइंस' पर टिप्पणी करते हुए केनव्यू में बिजनेस यूनिट प्रमुख, एसेंशियल एंड स्किल हेल्थ एंड ब्यूटी और उपाध्यक्ष मार्केटिंग मनोज गाडगिल ने कहा, न्यूट्रोजीना में, हमारा उद्देश्य स्किनकेयर को सभी के लिए सुलभ बनाना और उपभोक्ताओं को सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाना है। ताकि उन्हें किसी तरह का अनावश्यक समझौता न करना पड़े। लगातार इनोवेशन और नए दृष्टिकोणों के माध्यम से न्यूट्रोजीना ने विज्ञान-समर्थित उच्च गुणवत्ता वाले ब्यूटी अनुभव प्रदान किए हैं। हाइड्रो बूस्ट सनस्क्रीन का लॉन्च भी इसी दिशा में एक पेशकश है, जो ताकतवर परिणाम और प्रभावशीलता प्रदान करता है।उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि श्रद्धा कपूर न्यूट्रोजीना की नई ब्रांड एंबेसडर के रूप में हमारे साथ जुड़ी हैं। श्रद्धा नैसर्गिक सुंदरता, प्रामाणिकता और विश्वास का प्रतीक हैं, जो हमारे ब्रांड के मूल्यों को दर्शाती हैं। श्रद्धा कपूर ने कहा, यह ब्रांड मैं इस्तेमाल कर चुकी हूं, इसलिए मैं न्यूट्रोजीना के साथ साझेदारी से बेहद उत्साहित हूँ। यह ब्रांड मेरे लिए हमेशा से विश्वास और गुणवत्ता का प्रतीक रहा है। मेरे लिए, ब्यूटी और स्किनकेयर सरल, प्रभावी और विज्ञान-समर्थित होनी चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शनिवार | 29-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

दादा गुरुदेव राजेन्द्रसूरीश्वरजी के 200वें जन्मशताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में पूना के राजराजेन्द्रसूरी जैन प्रतिष्ठान गुरुधाम के तत्वावधान में मुनि डॉ लाभेशविजयजी की प्रेरणा से निकली चित्र प्रदर्शनी व रथयात्रा शुक्रवार को बेंगलूरु पहुंची।

जीवन का आनंद कहीं बाहर नहीं, अपितु स्वयं के भीतर है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन राजाजीनगर में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में जानो-मानो पहचानो' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री संयमलताजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन का आनंद कहीं बाहर नहीं बल्कि मनुष्य के अपने ही भीतर है। मनुष्य निज की खोज, पहचान, प्रकाश और ज्ञान के माध्यम से अपने जीवन को सफल बनाएँ। हमें बाहरी स्वच्छता, पवित्रता का ध्यान प्रतिक्षण रहता है परंतु मनुष्य अपने मन के भीतर जन्मों से जमे हुए क्रोध, मान, लोभ के कचरे को साफ़ करने का प्रयास नहीं करता। मूर्च्छा को तोड़ कर आत्मसाधना के प्रति सजग बनें। आत्मसाधना में अनुशासन व मर्यादा का महत्वपूर्ण योगदान है। साध्वश्री ने हाजरी का वाचन करते हुए इतिहास के प्रेरक प्रसंग सुनाए। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि व्यक्ति को मन में लगे कैमरे से अपनी फोटो खींच कर उसी के अनुरूप एक्शन करने का प्रयास करते हुए आत्मा की उन्नति करनी चाहिए। चारों साध्वियों ने लेखपत्र का वाचन किया। जुगराज श्रीश्रीमाल ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। इस अवसर पर राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, युवक परिषद के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, महिला मंडल की अध्यक्ष उषा चौधरी आदि उपस्थित थे।

गुरु राजेन्द्रसूरी की चित्र प्रदर्शनी व रथयात्रा का बेंगलूरु में हुआ भव्य स्वागत

बड़ी संख्या में गुरुभक्तों ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दादा गुरुदेव राजेन्द्रसूरीश्वरजी के 200वें जन्मशताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में पूना के राजराजेन्द्रसूरी जैन प्रतिष्ठान गुरुधाम के तत्वावधान में मुनि डॉ लाभेशविजयजी की प्रेरणा से निकली चित्र प्रदर्शनी व रथयात्रा शुक्रवार को बेंगलूरु पहुंची। वीवी पुरम स्थित सम्भवनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में गुरुभक्तों की उपस्थिति में राजेन्द्र महिला मंडल द्वारा मंगल कलश, अक्षत लेकर व मंगल गीत गाकर रथयात्रा का स्वागत किया गया। दादा गुरुदेव व उनके पालने पर हार चढ़ाने का लाभ रमेश हरण परिवार व आरती का लाभ मदनलाल वाणीगोता परिवार ने लिया। इससे पूर्व आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में ट्रस्ट मंडल द्वारा मौली बंधन खोलकर गुरु चित्रप्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि गुरु राजेंद्रसूरीश्वरजी की 20वीं शताब्दी के एक महान संत थे जिन्होंने यति परम्परा का उद्धार करके त्रिस्तुतिक संघ की स्थापना की। आचार्यश्री उदयप्रभजी ने कहा कि मेरे जीवन में दादा गुरुदेव की महती कृपा है। इस दौरान ट्रस्ट मंडल द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली जीनल सुराणा का सम्मान किया गया। आरती दर्शन के पश्चात सभी गुरुभक्तों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर वीवी पुरम संभवनाथ जैन मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गौतम सोलंकी, राजेन्द्र गुरु मन्दिर के अध्यक्ष नेमीचंद वेदमुथा, त्रिलोकचंद भंडारी, हेमराज मोदी, मेघराज भंसाली, रमेश हरण, मदन वाणीगोता, शांतिलाल गादिया, भंवरलाल कटारिया, तेजराज नागौरी, विक्रम वेदमुथा, कांतिलाल चोपड़ा, शांतिलाल जैन, भैरुलाल दांतेवाड़िया सहित अनेक भक्तगण उपस्थित थे।

राजपुताना सेवा संगठन द्वारा आयोजित श्रीराम कथा 4 अप्रैल से

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के भारतीय राजपुताना सेवा संगठन द्वारा 4 अप्रैल से तीन दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन कटमनल्लूर गेट क्षेत्र के अभय अंजनी स्वामी मंदिर में दोपहर 3.30 बजे से किया जा रहा है। कथा में अयोध्या धाम की कथा वाचिका देवी राजनंदिनीजी कथा वाचन करेंगी। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर संगठन की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। संगठन के अध्यक्ष अनिलकुमार सिकरवार ने सभी उपस्थितजनों से सहयोग का आह्वान किया तथा बताया कि राम कथा के इस आयोजन की सभी आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

बीएचईएल को छत्तीसगढ़ विद्युत कंपनी से 11,800 करोड़ रुपये का मिला ठेका

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) से 11,800 करोड़ रुपये का ठेका मिलने की शुक्रवार को जानकारी दी। बीएचईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि हसदेव थर्मल पावर स्टेशन (कोरबा) में 2660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण) पैकेज के लिए 27 मार्च को आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ। कंपनी के कार्यक्षेत्र में प्रमुख उपकरणों को डिजाइन करन के साथ उसकी इंजीनियरिंग, विनिर्माण और आपूर्ति के अलावा विद्युत स्टेशन की पूर्ण स्थापना, परीक्षण तथा उसे चालू करना शामिल है।

बीईएमएल को बेंगलूरु मेट्रो से 405 करोड़ रुपये का मिला ठेका

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीईएमएल ने बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) से 405 करोड़ रुपये का ठेका मिलने की शुक्रवार को जानकारी दी। बीईएमएल ने बयान में कहा कि इस ठेके में बेंगलूरु मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के लिए सात अतिरिक्त मेट्रो ट्रेन (42 डिब्बे) की आपूर्ति शामिल है। इससे अनुबंध के तहत ट्रेन सेट की कुल संख्या 53 (318 डिब्बे) से बढ़कर 60 (360 डिब्बे) हो जाएगी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय ने कहा, ''यह अतिरिक्त ठेका विश्व स्तरीय, स्वदेशी रूप से निर्मित मेट्रो समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है जो भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण के अनुरूप है।'' बीईएमएल तीन क्षेत्रों रक्षा व एयरोस्पेस, खनन व निर्माण और रेल व मेट्रो में काम करती है ।

जिनशासन के दिग्गज और निर्विवाद संत थे संतश्री आनंदऋषि : आलेखमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में आलेखमुनिजी ने कहा कि संबंध दो तरह के होते हैं। अच्छे संबंध अनुराग से बनते हैं तो खराब संबंध क्रोध, ईर्ष्या, झगड़ों और नफरत से बनते हैं।

बार बार एक ही के साथ एक जैसा व्यवहार करने पर इन संबंधों का असर आत्मा पर पड़ता है और आत्मा से जुड़े संबंध अनेक भवों तक पीछा करते हैं। यही कारण है कि वर्तमान में किसी को देख कर स्नेह उमड़ता है तो किसी को देख कर बिना वजह क्रोध और ईर्ष्या भड़कती है, इसलिए हम प्रयास करें कि क्रोध, ईर्ष्या आदि की प्रकृति नहीं रखें और तुरंत स्वयं को संभाल लें।

प्रवचन कार्यक्रम में आचार्य आनंदऋषिजी के पुण्यस्मृति दिवस प्रसंग पर संघ की ओर से

गुणानुवाद करते हुए संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने कहा कि आनंदऋषिजी जिनशासन के दिग्गज और निर्विवाद संत थे, जिन्होंने विशाल शिष्य समुदाय को नेतृत्व दिया और श्रमण संघ के आचार्य बने। उन्होंने अनेक साहित्य की रचना की और भारत के अधिकांश क्षेत्र में विचरण किया। संघ अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने सभी का स्वागत किया।

बसवनगुड़ी में 'ऊंची उड़ान-निजता की हो पहचान' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

मुख्य वक्ता वीणा बैद का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा आराधना भवन ऊंची उड़ान-निजता की हो पहचान' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व महामंत्री वीणा बैद ने उपस्थित महिलाओं से अपने कार्य पर ध्यान देने की तथा अपने कार्य को ऐसा बनाने की सलाह दी ताकि उससे उनकी पहचान स्थापित हो सके। बैद ने महिलाओं को अच्छे पोषण आहार, व्यायाम व योगअभ्यास के बारे में भी जानकारी दी । उन्होंने कहा कि मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ महिला ही ऊंचे मुकाम हासिल कर सकती है। आरती जैन ने सभी का स्वागत करते हुए वीणा बैद का परिचय दिया। महिला परिषद द्वारा शांति गोठी, शशि मेहता, रीता जैन, किरण ललवानी एवं आरती जैन द्वारा वीणा बैद का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वाति गोलेच्छा ने किया। नंदा बाफना ने धन्यवाद दिया।

विश्व नवकार दिवस के प्रचार में जुटी जीतो नवकार समिति

9 अप्रैल को मनाया जाएगा नवकार दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन (जीतो) द्वारा समूचे विश्व में 9 अप्रैल को एक ही तारीख, एक ही समय, समस्त जैन और जैनेतर समाज के साथ साझा अभियान के तहत जन-जन तक नवकार मंत्र की गूंज के अनूठे अभियान का श्रीगणेश हो चुका है।

जीतो के पूर्व मंत्री और प्रचार समिति के सञ्जनराज मेहता ने बताया कि जीतो दक्षिण के चेयरमैन रणजीत सोलंकी और जीतो उत्तर के चेयरमैन विमल कटारिया के नेतृत्व में जीतो नवकार समिति के सदस्यों ने चिकपेट, गांधीनगर, बलेपेट, मामुलपेट, बीवीके अय्यंगार रोड पर विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों के प्रतिनिधियों, ईटा संघ, शपूरजी पलोनजी अपार्टमेन्ट के निवासियों, शहर के सिल्क, पेपर, क्लॉथ, स्टील, गारमेंट, लोह, इलेक्ट्रॉनिक, स्विचगेयर, इलेक्ट्रिकल, केमिकल, ज्वेलरी बाजार के गणमान्य लोगों सहित राजपुरोहित संघ, राजपुरोहित समाज, केएमवाईएफ, जेवाईएस के पदाधिकारियों से मिलकर अभियान का प्रचार किया।

इस मौके पर अभियान के मुख्य सहयोगी जयंतीलाल बालर, सहयोगी महेन्द्र जियाणी, दिनेश बाफना का सम्मान किया गया। इस मौके पर समिति के महेंद्र रांका, महावीर दांतेवाड़िया, दिनेश खिंवेसरा, राजेन्द्र दांतेवाड़िया, महेंद्र जियाणी, कैलाश संकलेचा, सञ्जनराज मेहता, मेहुल श्रीश्रीमाल, रूपचन्द कुमट आदि उपस्थित थे।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में हिन्दी कार्यशाला में गृहपत्रिका 'राजभाषा अंकुर' का हुआ लोकार्पण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कर्मचारी राज्य बीमा निगम, उपक्षेत्रीय कार्यालय, बोम्मसांद्रा में मुख्यालय के निर्देशानुसार कर्मचारियों को अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने के

लिए एक दिवसीय पूर्णकालिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा साथ ही गृह पत्रिक राजभाषा अंकुर के आठवें अंक का लोकार्पण किया गया। निगम की संयुक्त निदेशक (प्रभारी) एएस कणितसेल्वी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी में कार्य करना तथा राजभाषा का प्रयोग हम सबका संवैधानिक दायित्व है। इस कार्यशाला में कुल 15 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में कर्मचारियों को हिंदी में मूल पत्राचार एवं हिंदी टिप्पण आलेखन का अभ्यास कराया गया। कंम्प्यूटर पर हिंदी में टाइपिंग, मासिक प्रगति रिपोर्ट बनाना आदि के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में व्याख्यान के लिए हिंदी शिक्षण उप संस्थान के सहायक निदेशक (टंकण/आशुलिपि) अनिलकुमार साहू ने राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधान व नीतियों पर कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया तथा कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के बहुत सारे विकल्प बताए। मासिक प्रगति रिपोर्ट के बारे में विस्तार से चर्चा, प्रशासनिक शब्दों का अभ्यास एवं प्रयोग कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी व संचालक कैलाशचंद शर्मा ने करवाया।

नई पीढ़ी के लिए सच्चे मार्गदर्शक होते हैं बुजुर्ग : विनयमुनि

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में कहा कि विनय को भगवान महावीर ने महान तप बताया है। जहाँ अहम होता है, वहाँ विनय प्रवेश नहीं करता है और जहाँ विनय होता है वह जीवन धन्य हो जाता है। सेवा की प्रवृत्ति लोभ से भी की जाती है। निस्वार्थ भावों से सेवा जो करते हैं, वे श्रवणकुमार के समान आदर्श पुरुष माने जाते हैं। जो आज सेवा व सहायता करते हैं उन्हें भी भविष्य में जब भी सेवा की आवश्यकता होती है, फलस्वरुप उन्हें भी सेवा मिल जाती है। जैसा करेंगे वैसा ही पाएंगे। मुनिश्री ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने माता पिता की निस्वार्थ सेवा करनी चाहिए। नई पीढ़ी के लिए बुजुर्गों का साथ जरूरी है क्योंकि वे ही तो उन्हें अपने परिवार के संस्कार रीति-रीवाज ठीक से समझा सकते हैं। उनके संस्कारों के बिना नई पीढ़ी की इमारत बिना नींव की तरह खोखली हो सकती है। बुजुर्गों के पास जीवन भर का अनुभव रहता है, जो एक बड़ी पूंजी है। बुजुर्ग वट वृक्ष की तरह नई पीढ़ी को छाया प्रदान करते हैं और जीवन रक्षा की ढाल भी बनते हैं।

भाजपा नेताओं के एक गुट ने पार्टी यतनाल के निष्कासन पर पुनर्विचार का अनुरोध किया

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के एक गुट ने शुक्रवार को यहां बैठक की और पार्टी आलाकमान से बागी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के निष्कासन पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया। नेताओं ने दावे के साथ कहा कि वे एकजुट हैं और पार्टी से अलग होने की उनकी कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अपनी ओर से किसी भी गलती को सुधारने के लिए तैयार हैं, लेकिन वे भाजपा की कर्नाटक इकाई में बदलाव के लिए लड़ाई जारी रखेंगे, जिसमें राज्य इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र को बदलना शामिल है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com